वर्ष : 16 ❖ अंक : 62 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 04 अक्टूबर 2021

आज से देशव्यापी आंदोलन शुरु करेंगे किसान : योगेंद्र यादव 3

बंगाल उपचुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं : सुकांत मजूमदार 8

नाजी सरकार की नकल कर रही है एसकेएम सरकार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अक्टूबर । पूर्व मुख्यमंत्री तथा एसडीएफ पार्टी के अध्यक्ष पवन चामलिंग ने उनके जन्मदिन पर उनसे पूछे गए एक सवाल का जवाब दिया है। पिछले दो वर्षों में एसकेएम सरकार द्वारा किए गए एक अच्छे काम के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा है कि नई सरकार ने अच्छे कामों के बजाए एसडीएफ सरकार द्वारा किए गए सभी अच्छे कामों को खराब कर दिया है।

उन्होंने कहा है कि प्रेस सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व वाली एसकेएम सरकार हिटलर के नेतृत्व वाली नाजी सरकार की नकल कर रही है जिसने सभी जर्मन नागरिकों को नाजी पार्टी में शामिल होने के लिए मजबूर किया और नागरिकों के व्यक्तिगत और निजी जीवन में हस्तक्षेप और सीधे नियंत्रण किया। उक्त आरोप पवन चामलिंग ने आज एसडीएफ पार्टी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से लगाई है।

उन्होंने आगे कहा है कि एसकेएम सरकार ने अच्छे काम करने के बजाय एसडीएफ द्वारा किए गए सभी अच्छे कामों को खराब कर दिया है। एसकेएम सरकार को यह समझना होगा कि एसडीएफ सरकार ने जो काम किया वह पवन चामलिंग का निजी काम नहीं था। हमारी सरकार के कार्यक्रम, नीतियां और योजनाएं राज्य और लोगों के हित और कल्याण के लिए थीं। उन्होंने कहा है कि हमने दुनिया को दिखाया कि जैविक खेती संभव है। लेकिन अब एसकेएम सरकार दुनिया को गलत संदेश देते हुए कह रहे हैं कि यह संभव नहीं है। एसकेएम पार्टी को इस बात का एहसास नहीं है कि वे दुनिया की उस उम्मीद को नष्ट कर रहे हैं जो एसडीएफ ने दी थी। एसडीएफ सरकार के सुशासन के सभी महान कार्यक्रम, कानून, योजनाओं को विकृत और नष्ट कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा है कि जब एसडीएफ ने 1994 में सरकार बनाई थी, तब पूर्व के प्रशासन का कोई रिकॉर्ड नहीं था। एसडीएफ सरकार ने दिवंगत छोग्याल, दिवंगत काजी लेंडुप और दिवंगत एनबी भंडारी के समय से सभी उपलब्ध दस्तावेजों की मांग की और उन्हें डिजिटल कर दिया। हमने वह सब कुछ संरक्षित किया है जिसे हम पुन: प्राप्त कर सकते थे। लेकिन एसकेएम सरकार ने सभी किताबें जला दी। 'किताबों को जलाने वाली सरकार' से हम किन अच्छी चीजों की उम्मीद कर सकते हैं?

चामलिंग ने आगे कहा कि शांति और मानव सुरक्षा खत्म हो रही है। आज लोगों का पुलिस विभाग पर से भरोसा उठ रहा है। उन्होंने जानकारी दी है कि कुछ दिन पहले एसडीएफ पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को एसकेएम के गुंडों ने रोलेप में एक बैठक से लौटते समय रोक लिया था। एसडीएफ के कुछ समर्थकों को परिवार के सदस्यों को स्थानांतरण से बचाने के लिए एसकेएम पार्टी में शामिल होने को कहा जा रहा है। उन्होंने कहा है कि जब हिटलर ने जर्मनी में सरकार बनाई, तो उन्होंने सबसे पहले सभी जर्मन नागरिकों को नाजी पार्टी में

शामिल होने और वफादारी की शपथ लेने के लिए मजबूर किया। हिटलर के अधीन सरकार ने नागरिकों के जीवन के निजी और व्यक्तिगत क्षेत्रों को सीधे नियंत्रित किया। ठीक यही आज सिक्किम में हो रहा है। यह एक भयानक, गंभीर और परेशान करने वाली बुरी बात है।

एक जनवरी से प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर लगेगा प्रतिबंध : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अक्टूबर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अगले साल एक जनवरी से राज्य में प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा महातमा गांधी की 152वीं गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छ अभियान के एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की।

कहा- स्टॉक खाली करने के लिए तीन माह का समय

उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2022 से राज्य में पानी की प्लास्टिक की बोतलों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। होटल, रेस्तरां और दुकानों से लेकर गांवों में आयोजित होने वाले किसी भी प्रकार के कार्यक्रम में पानी की प्लास्टिक की बोतलों पर भी प्रतिबंध रहेगा। राज्य सरकार इस संबंध में अधिसूचना भी जारी करेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट करते हुए कहा कि वर्तमान में सरकार दुकानों, होटलों और रेस्तरां में जमा पानी की प्लास्टिक की बोतलों को बेचने के लिए अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर का समय दे रही है। बाद में होटल और रेस्तरां के मालिक अपने कारोबार में हुए नुकसान के बारे में बात नहीं कर पाएंगे। इसलिए उन्हें अपना स्टॉक क्लियर करने के लिए तीन महीने का समय दिया जा रहा है।

स्वच्छता पर बोलते हुए मुख्यमंत्री तमांग ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास विभाग के तहत पंचायत इकाइयों में स्वच्छता पर एक प्रतियोगिता आयोजित करेगी। सबसे स्वच्छ पंचायत इकाई को प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार के रूप में तीन लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार के रूप में दो लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। इसी तरह यह प्रतियोगिता शहरी क्षेत्रों में भी आयोजित होगी और इसकी निगरानी शहरी विकास विभाग द्वारा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में प्रथम पुरस्कार दस लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार सात लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार पांच लाख रुपये दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उक्त पुरस्कार आगामी वर्ष से प्रत्येक वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर दिया जाएगा।

एनएचपीसी ने आयोजित की फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अक्टूबर । एनएचपीसी, तिस्ता चरण-5 पावर स्टेशन ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए अपनी बालूटार कॉलोनी और सामदोंग कॉलोनी में 02 अक्टूबर, 2021 को 'गांधी जयंती' के अवसर पर फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन किया। बालूटार कॉलोनी में फ्रीडम रन 2.0 का उद्घाटन एनएचपीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी एके श्रीवास्तव ने उप मुख्य सतर्कता अधिकारी एसके यादव, ईडी सिलीगुड़ी एसपी मुखर्जी,महाप्रबंधक (स्वतंत्र प्रभार), तिस्ता-5 पावर स्टेशन संजय दरबारी और पावर स्टेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी के उपस्थिति में की।

फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 की शुरूआत वीआईपी गेस्ट हाउस से फुटबॉल मैदान तक लगभग 3 किलोमीटर तक आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 80 उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाग लेने वालों में तिस्ता-5 पीएस, तिस्ता-6 एचई प्रोजेक्ट और तीस्ता-4 एचई प्रोजेक्ट और उनके परिवार के सदस्य शामिल थे। उद्घाटन से पहले, गणमान्य व्यक्तियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इससे पूर्व श्रीवास्तव और गणमान्य अतिथियों ने तिस्ता-5 पावर स्टेशन के विद्युत गृह के विभिन्न घटकों का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक (ई) जितेंद्र कुमार ने बिजलीघर के संचालन और रखरखाव और उपलब्धियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। निदेशक (परियोजना), एनएचपीसी बिस्वजीत बसु भी बाद में शामिल हुए और उन्हें तिस्ता-5 पावर स्टेशन द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए श्री बसु ने कहा कि बापू और शास्त्री का जीवन कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कर्मचारियों से अपने दैनिक जीवन में गांधी और शास्त्री के सिद्धांतों का पालन करने की भी अपील की।

ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने से बनेगा गांधी के सपनों का भारत : लोकनाथ शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अक्टूबर । महात्मा गांधी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को सामूहिक प्रयासों के द्वारा ग्रामीण भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही व्यक्तिगत, समुदाय और राज्य स्तर पर अथक प्रयासों के माध्यम से आंतरिक और बाहरी स्वच्छता सुनिश्चित कर के प्राप्त किया जा सकता है। राज्य सरकार ने राज्यवासियों को विशेष रूप से ग्रामीण लोगों को कृषि, फूलों की खेती, मत्स्य पालन और पशुपालन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। उक्त बातें पशुपालन, पशु चिकित्सा सेवा, कृषि एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग मंत्री लोकनाथ शर्मा ने कही।

तादोंग के नर बहादुर भंडारी महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। क्षेत्रीय लोकसंपर्क कार्यालय, गुवाहाटी ने स्वतंत्रता सेनानियों की एक फोटो प्रदर्शनी के साथ जागरुकता फैलाने के लिए यहां दो दिवसीय सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया था। जागरुकता कार्यक्रम में कोविड-19 संबंधी सांस्कृतिक प्रस्तुति भी

आयोजित की गई। कृषि क्षेत्र के अंतर्गत जैविक खेती में सर्वत्र सफलता प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की लक्ष्य को हासिल करने के लिए सिक्किम सरकार अपना योगदान देने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए मंत्री शर्मा ने आज के कार्यक्रम का उद्घाटन किया और कॉलेज परिसर में एक फोटो प्रदर्शनी का भी अनावरण किया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले मंत्री ने आरओबी, महाविद्यालय प्रशासन और स्थानीय नगर पार्षदों के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र में स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता भारत 2.0 शहरी अभियान के साथ-साथ केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे महीने भर के स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में छात्रों, संकाय सदस्यों और छात्रों के अभिभावकों ने भी भाग लिया।

पीआईबी के निदेशक अजय महमिया और आरओबी गुवाहाटी के उप निदेशक अरिजीत चक्रवर्ती ने भी सभा को संबोधित किया था। बाद में कॉलेज के सभागार में छात्रों के साथ-साथ दर्शकों के लिए स्वच्छ भारत और स्वतंत्रता की आजादी के विषय पर एक हाजिरी जवाब और वक्तृत्व प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पीआईबी ने जानकारी दी है कि विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

गांधी जयंती पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 अक्टूबर । राज्यपाल गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने महात्मा गांधी की 152वीं जयंती के अवसर पर राजधानी के एमजी मार्ग स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य सचिव, डीजीपी, सलाहकार, अध्यक्ष, विभाग प्रमुखों आदि ने भी राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्कृति विभाग के कलाकारों ने राम धुन और भजन प्रस्तुत किया। इसी तरह सिक्किम पुलिस बैंड ने देशभक्ति की धुनें बजाई। औपचारिक गांधी जयंती समारोह के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शहरी विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टालों का दौरा किया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के संदेश को फैलाने के लिए छात्रों को पुन: प्रयोज्य बैग प्रदान किए गए। राज्यपाल ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में नाबार्ड और अन्य एजेंसियों द्वारा प्रदर्शित हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की एक प्रदर्शनी और बिक्री का उद्घाटन भी किया।

नर बहादुर भंडारी जयंती समारोह

सीएलसी सोरेंग च्याखुंग वालीवाल प्रतियोगिता के फाइनल में

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 03 अक्टूबर । सोरेंग खेल मैदान में चल रहे स्वर्गीय नरबहादुर भण्डारी जयन्ती समारोह के तीसरे दिन के कार्यक्रम में राज्य के ऊर्जा एवं श्रम विभाग के मन्त्री एमएन शेरपा प्रमुख अथिति के रूप में उपस्थित थे।

उनके साथ क्षेत्र विधायक आदित्य गोले, मुख्यमन्त्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, राज्य अनुसूचित जनजाति कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम कुमार सुब्बा, कृषि एवं बागवानी बोर्ड के अध्यक्ष चन्द्र कुमार राणा, क्षमता निर्माण तथा दक्षता विकास बोर्ड के अध्यक्ष विनोद बस्नेत, महकुमा अधिकारी रंजन राई सहित सोरेंग महकुमा के विभागीय अधिकारी, दरामदिन विधानसभा के सीएलसी अध्यक्ष टीका हांग सुब्बा और सोरेंग च्याखुंग विधानसभा अध्यक्ष सुकराज सुब्बा प्रमुख रूप से उपसिथत थे।

यहां सोरेंग स्कूल में चल रहे ओपन नरबहादुर भण्डारी स्मारक वालीबाल टुर्नामेन्ट अन्तर्गत आज दो सेमिफाइनल संपन्न हुए। पहले सेमिफाइनल खेल में सीएलसी सोरेंग च्याखुंग और गलकोट नेपाल के बीच भिड़त हुई। उक्त खेल में सीएलसी सोरेंग च्याखुंग ने गलकोट नेपाल को सीधे सेट में 25-22,25-18, 25-22 के अंतर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। इसी प्रकार दूसरा सेमिफाइनल खेल जुम सालघारी तथा पीएसबीए सोरेंग के बीच हुई। इसमें जीत दर्ज करने वाली सीएलसी सोरेंग च्याखुंग के साथ फाइनल में भिड़ेगी। उल्लेखनीय है कि टुर्नामेन्ट के विजेता और उपविजेता दल को पांच लाख तथा तीन लाख रुपये सहित आकर्षक ट्राफी प्रदान किया जाएगा।

आज भण्डारी जयन्ती के तहत आयोजित अन्तरविद्यालय तर्क प्रतियोगिता कृपाशल्यान उच्चतर माध्यमिक विद्यायल और सोरेंग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बीच सम्पन्न हुआ। नेपाली भाषा के विकास न होने में वर्तमान शिक्षा पद्धति जिम्मेवार है विषय के पक्ष में दरामदिन स्कूल और इसके विपक्ष में सोरेंग स्कूल ने बात रखी। उक्त तर्क प्रतियोगिता में सोरें स्कूल ने दरामदिन स्कूल को 701 अंक के खिलाफ 729 अंक से परास्त किया।

इसमें दरामदिन स्कूल के दलनायक स्पर्श शर्मा ने 224 अंक हासिल करते हुए उत्कृष्ट वक्ता का खिताब पाया।

इसी प्रकार एक अन्य तर्क प्रतियोगिता च्याखुंग स्कूल और शिरिबदम स्कूल के बीच सम्पन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता में च्याखुंग स्कूल को 680 अंक के विरुद्ध शिरिबदम स्कूल ने 700 अंक हासिल कर जीत दर्ज की। इस प्रतियोगिता में शिरिबदम स्कूल की हिसे दोरजी भूटिया ने 212 हासिल कर उत्कृष्ट वक्ता का खिताब पाया। स्वर्गीय नरबहादुर भण्डारी जयन्ती तर्क प्रतियोगिता का फाइनल सोरेंग स्कूल और शिरिबदम स्कूल के बीच पांच अक्टूबर को होगा।

आज भण्डारी जयन्ती समारोह समिति ने मुख्य अथिति ऊर्जा एवं श्रम विभाग के मन्त्री एमएन शेरपा को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

आधुनिक सिक्किम के निर्माता थे भंडारी : जैकब

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 03 अक्टूबर । सोरेंग में जारी 81वीं भंडारी जयंती के दूसरे दिन मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्र विधायक आदित्य गोले, खेल एवं युवा मामला विभाग के सलाहकार मेघनाथ सुब्बा, कृषि एवं बागवानी बोर्ड के अध्यक्ष सीके राणा, क्षमता एवं दक्षता विकास बोर्ड के अध्यक्ष विनोद बसनेत, महकमा अधिकारी रंजन राई, सीएलसी अध्यक्ष सुकराज सुब्बा, सीएलसी महासचिव छोजांग भूटिया और अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग ने स्वर्गीय भंडारी का स्मरण करते हुए कहा कि वे आधुनिक सिक्किम के निर्माता हैं। स्वर्गीय भंडारी ने आधुनिक सिक्किम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कम उम्र में अपनी

सरकारी नौकरी छोड़ दी और सार्वजनिक सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया। भंडारी सिर्फ एक राजनीतिक शख्सियत नहीं हैं, वह दुनिया भर के नेपाली भाषियों के लिए युग पुरुष भी हैं। खालिंग ने आगे कहा कि स्व. नर बहादुर भंडारी हमारे जेहन में हमेशा जिंदा रहेंगे। अपने संक्षिप्त संबोधन में खालिंग ने उपस्थित लोगों को भंडारी जयंती के साथ-साथ गांधी जयंती की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय नर बहादुर भंडारी जयंती समारोह समिति ने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जेकब खालिंग को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्हें निर्वाचन क्षेत्र के विधायक आदित्य गोले और समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष बिनोद बस्नेत ने सम्मानित किया। आज एक अंतर-विद्यालय तर्क प्रतियोगिता और एक नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सीएम चौहान आज सिंगरौली में

'शिवराज करेंगे 1684.78 करोड़ के निर्माण कार्यों का शिलान्यास तथा लोकार्पण'

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली (मध्य प्रदेश), 03 अक्टूबर । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कल एक दिवसीय प्रवास पर सिंगरौली जिले के चितरंगी आएंगे। वह प्रात: 10.50 पर भोपाल से वायुयान द्वारा प्रस्थान कर 11.50 पर हवाई पट्टी रीवा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा से प्रात: 11.55 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.25 बजे हेलीपैड चितरंगी पहुंचेंगे। जहाँ दोपहर 12.30 बजे हेलीपैड से प्रस्थान कर दोपहर 12.45 बजे *जगन्नाथ सिंह स्मृति महाविद्यालय* पहुंचकर नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री सभा स्थल में दोपहर 1.05 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक स्व सहायता समूहों के उत्पादों तथा जल जीवन मिशन की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री का परंपरागत लोक नृत्यों से स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री दोपहर 1.20 बजे मुख्य मंच में कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन की 324 समूह जल योजनाओं सहित विभिन्न कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3 बजे हेलीकॉप्टर से चितरंगी से प्रस्थान कर दोपहर 3.35 पर ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री चौहान चितरंगी हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित समारोह में कुल 1684 करोड़ 78 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। समारोह दोपहर 12 बजे आरंभ होगा। समारोह में जिले के प्रभारी मंत्री श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह मंत्री खनिज एवं श्रम विभाग, श्री बृजेंद्र सिंह यादव राज्यमंत्री पीएचई विभाग, सांसद श्रीमती रीति पाठक, विधायकगण, पार्टी पदाधिकारी तथा आमजन उपस्थित रहेंगे।

समारोह में मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन से स्वीकृत 324 जल प्रदाय योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनकी लागत 359 करोड़ 83 लाख 33 हजार रुपए है। इसमें सिंगरौली जिले की 124, रीवा की 145 तथा सीधी जिले की 55 समूह जल योजनाएं शामिल हैं। इनसे एक लाख 29 हजार 973 परिवारों को घर में नल से जल मिलेगा। समारोह में मुख्यमंत्री 33 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से 1428 स्कूलों तथा 960 आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल व्यवस्था के कार्यों का भी शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से मंजूर 20.55 करोड़ रुपए की लागत से चार सड़कों के निर्माण एवं पीआईयू लोक निर्माण विभाग के एक करोड़ 15 लाख रुपए की लागत के भवन निर्माण का भी शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री चितरंगी में 1726.37 लाख रुपए की लागत से चार भवनों का लोकार्पण करेंगे। इनमें जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन बैढ़न, शासकीय महाविद्यालय भवन सरई, जगन्नाथ सिंह स्मृति कॉलेज भवन चितरंगी तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन बरकी शामिल हैं।

लखीमपुर की घटना निंदनीय, नरेश टिकैत की अपील- आंदोलन करें, हिंसा न करें किसान

मुजफ्फरनगर, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने लखीमपुर खीरी में हुई घटना के बाद देर शाम अपने आवास पर एकत्र हो गए सैकड़ों किसानों को समझाते हुए कहा कि वे हिंसा से बचें। लखीमपुर खीरी की घटना से साबित हो गया है की सत्तारूढ़ पार्टी चाहती है कि किसान आंदोलन हिंसक हो। उन्होंने भाजपा के जनप्रतिनिधियों को आगाह करते हुए कहा कि वह गांव में भ्रमण करने से बचें उनके साथ कुछ भी हो सकता है।

सिसौली में अपने आवास पर एकत्रित किसानों को संबोधित करते हुए चौधरी नरेश टिकैत ने कहा एक किसान आंदोलन के दौरान घटनाएं पहले भी हुई है लेकिन जिस तरह की घटना लखीमपुर खीरी में हुई है यह बहुत ही निंदनीय है। आंदोलन कर रहे किसानों को गाड़ी से कुचल ना पहले कभी नहीं सुना। उन्होंने किसानों से कहा कि बहुत बड़ा संगठन है और हमारी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि किसान आंदोलन सही दिशा में चले इसीलिए हमें हिंसा से दूर रहकर आंदोलन को सही दिशा में ले जाना होगा इसके लिए जरूरी है कि संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन के लिए जो भी आह्वान करें किसान उसके अनुरूप ही आंदोलन करें।

चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि वह भाजपा जनप्रतिनिधियों का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन उन्हें सलाह दे रहे हैं कि वह गांव गवांड में अपने कार्यक्रम नहीं लगाएं। लोग काफी आक्रोश में भरे हुए हैं उनके साथ कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा जनप्रतिनिधियों को गांव में बुलाते हैं वह भी समझ ले। अपनी जिम्मेदारी पर ही उन्हें बुलाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ही तय करेगा कि लखीमपुर की घटना के बाद किसान आंदोलन को किस तरह से चलाया जाए।

विपक्ष कर रहा राजनीतिक धोखाधड़ी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध को लेकर विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कृषि सुधारों की आलोचना विपक्ष की बौद्धिक बेईमानी और राजनीतिक धोखाधड़ी है। नागरिकों को जो सुविधाएं दशकों पहले मिल जानी चाहिए थीं, वे सुविधाएं उन्हें दिलाने के लिए सख्त और बड़े फैसले करने की आवश्यकता है।

कृषि कानूनों का मजबूती से बचाव करते हुए मोदी ने कहा कि कोई राजनीतिक दल एक वादा करे और उसे पूरा न कर सके तो यह एक बात है लेकिन खास तौर पर अवांछित और घृणित बात यह है कि इनमें से कुछ दलों ने केंद्र सरकार के कृषि कानूनों की तर्ज पर ही सुधार के वादे किए थे और अब उन्होंने यूटर्न ले लिया है और जो वादे उन्होंने किए थे, उन्हीं के बारे में वह सबसे द्वेषपूर्ण दुष्प्रचार कर रहे हैं।

ओपन पत्रिका को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा, भारत के लोग जिन चीजों के हकदार हैं, जो सुविधाएं उन्हें दशकों पूर्व मिल जानी चाहिए थीं, वे उन तक नहीं पहुंच सकी हैं।

भारत अब वैसी स्थिति में नहीं है कि वह इन सुविधाओं के लिए अब और लंबा इंतजार करे। हमें उन्हें यह देना होगा और इसके लिए बड़े फैसले लेने चाहिए। जरूरत पड़ी तो सख्त निर्णय भी किए जाने चाहिए।

प्रधानमंत्री उनकी सरकार द्वारा लाए गए श्रम और कृषि कानूनों और किसान संगठनों की इन विवादास्पद कानूनों को वापस लेने की मांगों को सरकार द्वारा खारिज किए जाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि उनकी सरकार शुरू से ही प्रदर्शकारी किसान संगठनों से वार्ता करने और कानूनों में आपत्ति वाले मुद्दों पर चर्चा को तैयार है।

उन्होंने ने कहा कि भारत ने राजनीति का केवल एक ही मॉडल देखा था जिसमें अगली सरकार बनाने के लिए सरकारें काम करती हैं जबकि उनकी मौलिक सोच अलग है और वह मानते हैं कि राष्ट्र निर्माण के लिए सरकारों को काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से मुकाबले की सबसे बड़ी सीख यह रही है कि भारत में एकजुट होने की अद्वितीय क्षमता, साझा उद्देश्य, एकजुट होने और जरूरत पड़ने पर सबकुछ कर देने की अद्भुत क्षमता मौजूद है।

तेल, गैस के दाम बढ़ने के बाद सीएनजी, पीएनजी की कीमतों में आ सकता है उछाल

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। कच्चे तेल के दाम में तेजी के बाद इस साल वैश्विक गैस की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है, जिससे भारत में उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की बढ़ी हुई दरों के जोखिम का सामना करना पड़ेगा।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज (केआईई) द्वारा किए गए गैस बाजार के आकलन के अनुसार, घरेलू गैस की कीमत वित्तवर्ष 22 की दूसरी छमाही के दौरान उपलब्ध 3.2 डॉलर/मिलियन बीटयू के मौजूदा स्तर से वित्तवर्ष 23 की पहली छमाही में दोगुने से अधिक 6.6-7.6 डॉलर/मिलियन बीटीयू हो जाने की उम्मीद है।

केआईई ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'हम घरेलू गैस की कीमत में वित्तवर्ष 23 की पहली छमाही के लिए 6.6-7.6 अमेरिकी डॉलर/मिलियन बीटीयू में भारी वृद्धि की गणना करते हैं, जो वैश्विक गैस की कीमतों में हालिया वृद्धि और आने वाले महीनों में अनुमानित उच्च फ्यूचर कर्व से प्रेरित है।'

सितंबर 2021 में बेंचमार्क गैस की कीमतों में और वृद्धि हुई है- हेनरी हब गैस की कीमत अगस्त में 4.1 डॉलर/मिलियन बीटीयू से बढ़कर 5.1 डॉलर/मिलियन बीटीयू हो गई (2.6 डॉलर/मिलियन बीटीयू वित्तवर्ष 22 की पहली छमाही के लिए कीमतों की गणना में उपयोग की गई) और यूके एनबीपी 15.4 पाउंड/मिलियन बीटीयू अगस्त में 10.9 पाउंड/मिलियन बीटीयू से (5.9 पाउंड/मिलियन बीटीयू वित्तवर्ष 22 की पहली छमाही के लिए कीमतों की गणना में उपयोग किया गया)।

इसके अलावा, अलबर्टा हब गैस की कीमत भी अगस्त में 2.8 डॉलर/मिलियन बीटीयू से बढ़कर 3.1 डॉलर/मिलियन बीटीयू हो गई (2 डॉलर/मिलियन बीटीयू वित्तवर्ष 22 की दूसरी छमाही के लिए कीमतों के लिए गणना में उपयोग की जाने वाली)।

एशियाई हाजिर एलएनजी की कीमतें पिछले महीने के 16.7 डॉलर/मिलियन बीटीयू से बढ़कर 22.8 डॉलर/मिलियन बीटीयू हो गईं।

गैस की ऊंची कीमतों का मतलब उपभोक्ताओं के लिए परिवहन और खाना पकाने के ईंधन की उच्च लागत है। सितंबर में जहां सीएनजी मार्जिन स्थिर है, वहीं गैस की कीमत पर असर डालने के लिए कीमतों में 5-7 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की जरूरत है।

आईजीएल ने वित्तवर्ष 22 की दूसरी छमाही में 110 प्रतिशत सीएनजी खपत पर घरेलू गैस आवंटन की कैपिंग को देखते हुए वृद्धिशील एलएनजी की उच्च लागत को कम करने के लिए 30 अगस्त को मूल्यवृद्धि की थी, जिसका उपयोग उसे अपने सीएन सेगमेंट के लिए करना था।

केआईई ने कहा, हम नोट करते हैं कि आईजीएल और एमजीएल को 2एचएफवाई22 में उच्च घरेलू गैस की कीमत के प्रभाव को कम करने के लिए लगभग 5-7 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमतों में बढ़ोतरी करने की आवश्यकता होगी।

लखीमपुर खीरी में नहीं था मेरा बेटा, होता तो जिंदा नहीं निकलता : मंत्री अजय मिश्रा

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी बवाल में अब गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि मेरे बेटे आशीष पर लगाए जा रहे बेबुनियाद है, वह मौके पर मौजूद नहीं था। अजय मिश्रा ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने हमारे दो कार्यकर्ताओं और एक ड्राइवर को पीट-पीटकर मार डाला। हम मामले में मुकदमा दर्ज करवा रहे हैं। हमारे पास वीडियो फुटेड है, जिससे साफ पता चल रहा है कि घटनास्थल पर आखिर हुआ क्या था?

लखीमपुरखीरी से बीजेपी सांसद अजय मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों पर पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्या करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा कि उनका बेटा मौके पर मौजूद नहीं था। उन्होंने कार्यकर्ताओं पर लाठियों और तलवारों से हमला किया। अगर मेरा बेटा होता तो जिंदा नहीं निकलता। उन्होंने(प्रदर्शनकारियों) हमारे लोगों को मारा है। हमारे पास वीडियो सबूत है। हम उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा रहे हैं। टेनी ने कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

टेनी ने कहा कि सड़क पर मौजूद प्रदर्शनकारियों के कारण कार असंतुलित हो गई थी और इसके नीचे आने से 2 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद हमारे 3 कार्यकर्ता मारे गए और उन्होंने हमारी दो कारों में आग लगा दी।

वहीं, किसानों का आरोप है कि मंत्री के बेटे आशीष ने प्रदर्शनकारी किसानों पर गाड़ी चलाई। जिसमें दो किसानों की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए किसानों ने गाड़ी रोक दी। इस बीच आशीष मौका पाकर गन्ने के खेत के रास्ते भाग निकला, जबकि प्रदर्शनकारियों ने कार के ड्राइवर को पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना में अभी तक आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। उधर, सरकार ने लखीमपुरखीरी में इंटरनेट सेवा बाधित कर दी है।

दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने मामले में सरकार पर निशाना साधा है। किसान नेता राकेश टिकैत, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मौके पर जाकर किसानों का साथ देंगे। जबकि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कल लखीमपुरखीरी जा सकते हैं।

लखीमपुर जा रहे राकेश टिकैत को बरेली में रोकने की कोशिश नाकाम, बैरियर तोड़ निकल गया काफिला

बरेली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी जा रहे किसान नेता राकेश टिकैत के काफिला को बरेली में रोकने की कोशिश विफल हो गई। फतेहगंज पश्चिमी से बड़ा बाईपास होते हुए खीरी की ओर बढ़ रहे काफिले को रास्ते में नवाबगंज शाही के पुलिस बैरियर पर रोकने को कोशिश हुई। काफिला ने बैरियोर तोड़ दिये। वहां जमकर हंगामा हुआ। पुलिस वालों से नोकझोंक भी हुई। लेकिन पुलिस उन्हें रोकने का साहस नहीं कर सकी। राकेश टिकैत ने कहा कि हमारा आंदोलन बिल्कुल भी हिंसक नहीं है। लगातार भारतीय किसान यूनियन हर जिले में नज़र रखे है। लखीमपुर में घटना हुई है, हम वहां जा रहे हैं। हम रुकेंगे नहीं।

रविवार रात करीब दस बजे किसान नेता राकेश टिकैत अपने समर्थकों के साथ गाड़ियों के काफिले को लेकर खीरी के लिए रवाना हुए। फतेहगंज पश्चिमी टोल प्लाजा पर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर निकल गए। बड़ा बाईपास होते हुए नवाबगंज पहुंचे। वायरलेस से सूचना मिलने के बाद नवाबगंज में उनकी घेराबंदी की गई। पुलिस ने रोड पर बैरियर लगा दिए।

टिकैत समर्थक किसानों ने बैरियर तोड़ डाले। इसको लेकर उनकी पुलिस अधिकारियों से नोकझोंक भी हुई। लेकिन टिकैत समर्थक किसानों ने पुलिस की एक नहीं सुनी और पीलीभीत बॉर्डर पर शाही बैरियर पर पहुंच गए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की। वहां जमकर हंगामा हुआ। शाही ने पुलिस बैरियर तोड़ने के बाद राकेश टिकैत पीलीभीत होते हुए देर रात तक पूरनपुर आसाम रोड के जरिए खुटार खीरी के लिए रवाना हो चुके थे। पीलीभीत डीएम और एसपी बॉर्डर तक उनके पीछे गाड़ियों से थे। हालांकि इसके बाद किसी ने भी किसानों के गुस्से को देखते हुए उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की।

एडीजी जोन अविनाश चंद्र डीएम नीतीश कुमार और एसएसपी रोहित सिंह सजवान के साथ फतेहगंज पश्चिमी टोल ख़लाजा देर रात पहुंचे। उन्होंने सभी पुलिस बैरियर पर पुलिस को एक्टिव किया। किसानों को समझाने की कोशिश की हालांकि किसान खीरी के लिए निकलते चले गए। एडीजी ने पुलिस टीम के साथ नवाबगंज पीलीभीत बॉर्डर तक का जायजा लिया। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता लखीमपुर जाते वक्त पीलीभीत में डीएम एसपी की तमाम मनुहार के बाद भी नही रुके। डीएम एसपी ने लखीमपुर न जाने जाने का आग्रह राकेश टिकैत से किया पर उन्होंने रुकने से इनकार किया।

पूरनपुर में घुँघचाहि चौराहे पर आयोजित पंचायत में पदाधिकारियों ने कहा कि ये शोक सभा है, धैर्य के साथ निर्णय लेना हैं। किसानों ने इससे पूर्व किसान नेता राकेश टिकैत का जोरदार स्वागत करते हुए अपनी संख्या बल से ताकत का एहसास कराया।

वरिष्ठ अधिवक्ता कमजोर वर्गों को नि:शुल्क सेवा दें : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अपने समय का एक निश्चित हिस्सा कमजोर वर्ग के लोगों को नि:शुल्क सेवाएं प्रदान करने के लिए निर्धारित करना चाहिए।

शनिवार को विज्ञान भवन में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएलएसए) के छह सप्ताह के 'पैन-इंडिया लीगल अवेयरनेस एंड आउटरीच कैंपेन' के शुभारंभ पर बोलते हुए, कोविंद ने गांधी जयंती पर जागरूकता अभियान शुरू करने के लिए एनएलएसए की सराहना की।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मानवता की सेवा के प्रतीक थे, जिसमें दलितों को न्याय दिलाने की सेवाएं भी शामिल थीं।

कोविंद ने कहा, '125 साल से अधिक समय पहले, गांधीजी ने कुछ उदाहरण रखे थे जो आज भी पूरी कानूनी बिरादरी के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा था कि सबसे अच्छी कानूनी प्रतिभा सबसे गरीब लोगों को उचित दरों पर उपलब्ध होनी चाहिए।'

कोविंद ने यह भी कहा कि गांधीजी की सलाह का पालन कानूनी बिरादरी को करना चाहिए, विशेष रूप से सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में नामित वरिष्ठ अधिवक्ताओं को।

हाशिए के और वंचित वर्गों के लिए निष्पक्ष और सार्थक न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक समावेशी कानूनी प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए नालसा की अपनी दृष्टि की सराहना करते हुए, उन्होंने खुशी व्यक्त की कि यह लोगों को न्याय के लिए समान और बाधा मुक्त पहुंच प्रदान करने के संवैधानिक उद्देश्य की दिशा में काम कर रहा है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र जैसे मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालतें हमें शांति और न्याय के हमारे प्राचीन मूल्यों की याद दिलाती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, 'आधुनिक भारत में भी, आजादी के बाद से, हमने न्यायिक अभिजात वर्ग के युग से न्यायिक लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया है। नालसा इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, क्योंकि इसकी प्रणाली 25 साल पहले चालू हुई थी।'

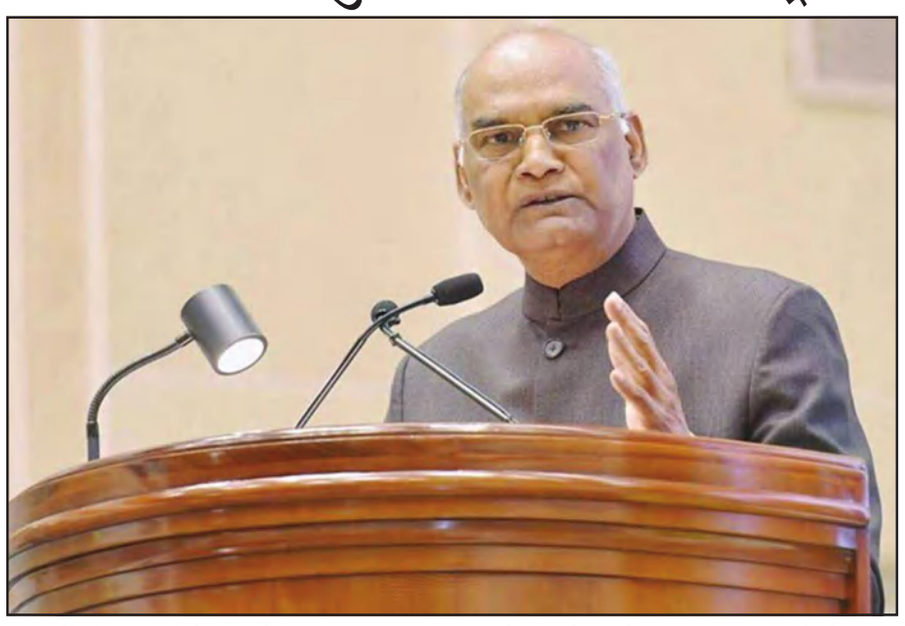

कोविंद ने यह भी कहा कि कानूनी संस्थाओं की संरचना न्यायिक वास्तुकला को समर्थन प्रदान करती है और इसे राष्ट्रीय, राज्य, जिला और उप-मंडल स्तरों पर मजबूत करती है, और यह समर्थन और ताकत बड़ी संख्या में कमजोर लोगों की सेवा के लिए महत्वपूर्ण है।

कानूनी सेवाओं के अधिकारियों से नागरिकों के अधिकारों और अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विशेष प्रयास करने का आग्रह करते हुए, विशेष रूप से उन लोगों के बीच जो सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उन्होंने आगे कहा कि जागरूकता की कमी राज्य द्वारा बनाई गई कल्याणकारी नीतियों के कार्यान्वयन में बाधा डालती है, क्योंकि वास्तविक लाभार्थी अपने अधिकारों से अनभिज्ञ रहते हैं।

अच्छा हिन्दू बताने को सभी दल लगा रहे अयोध्या का चक्कर : सीताराम येचुरी

प्रयागराज, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सीपीआई (एम) के 23 वें राज्य सम्मलेन के दूसरे दिन पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी ने प्रतिनिधि सत्र को सम्बोधित किया। कहा केंद्र और राज्य की फासीवादी सरकारों से लड़ने के लिए पार्टी की बुनियाद को मज़बूत करना होगा। हमें अपने बुनियादी संगठनों में युवाओं को आगे करना होगा तथा प्रत्येक जनसंगठन और मोर्चे में युवकों को भर्ती करने के साथ उन्हें प्रशिक्षित करना होगा। कहा कि युवकों की ऊर्जा ही देश के प्रजातांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष स्वरूप की रक्षा कर सकती है। विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टी अपने को अच्छा हिन्दू बताने के लिए अयोध्या के चक्कर काट रहे हैं। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और वामदल ही केवल अयोध्या नहीं गये।

येचुरी ने कहा कि भाजपा शासन काल में एकता, संस्कृति, सभ्यता सभी पर खतरा मंडरा रहा है। यह विघटन कारी सरकार हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर लड़ाकर सत्ता हासिल करने की साज़िश कर रही हैं। अन्य दल भी इसी के साथ कदमताल कर रहे हैं। सम्मलेन के दूसरे दिन रविवार को किसान आंदोलन, सहित कई अहम बिंदुओं पर प्रस्ताव पास हुआ। 49 ज़िलों से आये प्रतिनिधियों तथा प्रदेश प्रतिनिधियों ने विचार रखे। सम्मेलन में संगठनात्मक मुद्दों पर, पिछले तीन वर्षों मे विभिन्न मोर्चे पर किये गये कार्य तथा आने वाले दिनों मे होने वाले संघर्षों की रूपरेखा तय की गयी।

किसान आंदोलन, नागरिकता विरोधी आंदोलन (सीएए-एनआरसी), साम्प्रदायिक उन्माद, प्रदेश मे महिलाओं पर अत्याचार और हिंसा, मूल्यवृद्धि आदि पर वक्ताओं ने विचार रखे। प्रतिनिधियों ने प्रदेश मे फासीवाद और कारपोरेटवाद के बढ़ते गठजोड़ पर चिंता व्यक्त की। वक्ताओं ने धर्मपरिवर्तन और आतंकवाद के नाम पर मुस्लिम युवकों को प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया। सम्मेलन में प्रकाश करात, सुभाषिनी अली, जेएस मजूमदार, प्रदेश सचिव हीरालाल यादव, मुकुट सिंह, डी पी सिंह, बीएल भारती, प्रेमनाथ राय, मधु गर्ग, कृष्णकांत मिश्र, अंबिका मिश्र, हरिश्चन्द्र द्विवेदी, सुखदेव, अविनाश मिश्रा, अखिल मौजूद रहे। सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी सोमवार को समापन सत्र को भी संबोधित करेंगे।

आज से देशव्यापी आंदोलन शुरु करेंगे किसान : योगेंद्र यादव

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में प्रदर्शनकारी किसानों को गाड़ी से कुचलने के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव ने घोषणा की है कि सोमवार को देश भर के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालयों के बाहर आंदोलन किया जाएगा। मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने पुष्टि की है कि इस घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है, जिसमें चार प्रदर्शनकारी किसान और चार अन्य लोग शामिल हैं, जो कथित तौर पर किसानों को कुचलने वाली जीप में सवार थे।

बता दें कि रविवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के दौरान किसानों का एक समूह कृषि विरोधी कानूनों का विरोध कर रहा था। इस दौरान कुछ किसान बीजेपी नेताओं के काफिले की चपेट में आ गए। इस दौरान मौके पर मौजूद किसान भड़क गए और इलाके में हिंसा भड़क गई। किसान मौर्य के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री खीरी के सांसद अजय कुमार मिश्रा के पैतृक गांव बनबीरपुर जाने का विरोध कर रहे थे.

गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर दो वाहनों को आग लगा दी। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, उन्होंने कुछ यात्रियों की कथित तौर पर पिटाई भी की। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया है कि पार्टी किसानों के बलिदान को 'बेकार' नहीं होने देगी। इस बीच, किसानों की मांगों को लेकर मुखर रहने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने मांग की है कि उत्तर प्रदेश सरकार को सांसद अजय मिश्रा और अन्य सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करना चाहिए।

वहीं, मामले में किसान संघ ने कहा कि इस घटना की जांच सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज से होनी चाहिए, न कि यूपी प्रशासन से।

भवानीपुर सीट से ममता को मिली रिकॉर्ड अंतर से जीत

कोलकाता, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की प्रियंका टिबरेवाल को 58,832 मतों के रिकॉर्ड अंतर से हराया।

इससे पहले बनर्जी के पास 2011 में इस निर्वाचन क्षेत्र से 54,213 मतों के अंतर से जीतने का रिकॉर्ड था। इस जीत के साथ बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनी रहेंगी। 21 राउंड की मतगणना के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कुल 1,17,875 मतों में से 84,709 मत प्राप्त किए और कुल मतों का 71 प्रतिशत से अधिक हासिल किया, जबकि तिबरेवाल को 26,350 मत मिले, जो 22 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। माकपा उम्मीदवार श्रीजीब बिवास को केवल 4,201 वोट ही मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं भवानीपुर के लोगों की ऋणी हूं क्योंकि उन्होंने मुझे रिकॉर्ड अंतर से जीतने में मदद की। सबसे दिलचस्प बात यह है कि हम किसी भी वार्ड में नहीं हारे। भवानीपुर में मतदान हमेशा कम रहा है और बारिश भी हुई थी। इसके बावजूद लोग बड़ी संख्या में बाहर आए और हमें वोट दिया।'

उन्होंने कहा, 'हमारे खिलाफ बहुत साजिश की गई है और भवानीपुर के लोगों ने जवाब दिया है। जब हम सभी सीटों पर जीते, तो हम नंदीग्राम में हार गए। मामला विचाराधीन है और इसलिए मैं और कुछ नहीं कहूंगी। मैं दो उंगलियां उठाकर विजय चिन्ह नहीं दिखाऊंगा। मैं स्वार्थी नहीं हूं। मेरे दो साथी जंगीपुर और समसेरगंज से चुनाव लड़ रहे हैं और इसलिए मैं तीन उंगलियां उठाऊंगी। वे भी लीड कर रहे हैं और लोग उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं ताकि वे जीत सकें।'

मीडिया से बात करते हुए राज्य के परिवहन मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा, 'मुझे उनकी जीत के बारे में कोई संदेह नहीं था। यह देखने की मेरी उत्सुकता थी कि क्या वह 50,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत सकती हैं या नहीं। और उन्होंने ऐसा किया।'

'यह भवानीपुर के लोगों के लिए एक जीत है। यह पश्चिम बंगाल के लोगों की जीत है। यह नंदीग्राम में जिस तरह से विश्वासघाती रूप से पराजित हुई थी, उसका जवाब है। लोगों ने बदला लिया है। उन्होंने दिखाया है कि ममता बनर्जी को रोका नहीं जा सकता इस तरह वह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ प्रमुख चेहरा बनेंगी और यह लोगों का फैसला है।

नड्डा आज बीजेपी युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से मिलेंगे

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सोमवार को पार्टी की युवा शाखा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने एक बयान में कहा कि उनके राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक चार अक्टूबर को यहां पार्टी मुख्यालय में होगी।

कहा गया है, 'राष्ट्रीय पदाधिकारियों को भाजपा प्रमुख नड्डा से मार्गदर्शन प्राप्त होगा।'

इसके बाद 5 अक्टूबर को यहां के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों, सभी प्रदेश अध्यक्षों और महासचिवों के साथ बैठक होगी।

'भाजयुमो की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का एजेंडा अगले साल होने वाले कई राज्यों में आगामी राज्य चुनावों के लिए भूमिकाओं और रणनीतियों पर चर्चा करना है। चुनाव अभियानों और अन्य आयोजनों की जिम्मेदारी सौंपना और राष्ट्र निर्माण में आज के युवाओं की भूमिका पर चर्चा करना है। इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर भविष्य के रोडमैप पर पूरी तरह से चर्चा की जाएगी और उसे दिया जाएगा।'

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में अगले साल फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या के पिछले साल सितंबर में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद से भाजयुमो की यह पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी।

'उम्मीद है कि इस बैठक में संगठनात्मक कार्यों को और मजबूत करने से संबंधित कुछ प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। युवा मोर्चा कई सरकारी योजनाओं के बारे में बात करेगा, जिससे लाखों लोगों को सफलतापूर्वक लाभ हुआ है और नई नीतियों और योजनाओं का सुझाव देने के लिए मंथन भी किया गया है। यह युवाओं के लिए सहायक और उत्साहजनक साबित होगा।'

भाजपा नेतृत्व ने अपने सभी मोचरें को अक्टूबर तक अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठकें समाप्त करने को कहा है।

अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा की दो दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक वाराणसी में हुई और अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा ने 23-24 सितंबर को रांची में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आयोजन किया।

भाजपा महिला मोर्चा ने 26-27 सितंबर को देहरादून में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का आयोजन किया।

गोगी गैंग के 4 शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने एक बड़ी कार्रवाई में गैंगस्टर गोगी गिरोह के चार शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है।

एक अधिकारी ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए चार शार्प शूटर हत्या की योजना बना रहे थे।' इससे पहले 24 सितंबर को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में हुई गोलीबारी में मोस्ट वांटेड गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ 'गोगी' दो अन्य हमलावरों के साथ मारा गया था।

गोगी की अदालत कक्ष में प्रतिद्वंद्वी 'टिल्लू ताजपुरिया' गिरोह के दो हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जो वकीलों के वेश में थे। हमलावरों ने गोगी पर अदालत कक्ष के अंदर गोलियां चलाईं, जहां उनके खिलाफ एक मामले की सुनवाई चल रही थी।

गोगी दिल्ली पुलिस की सबसे वांछित सूची में था और वह अन्य राज्यों में हत्या, अपहरण और धोखाधड़ी सहित दर्जनों मामलों में भी आरोपी था। उसका गिरोह अवैध हथियार रखने, कारजैकिंग और जमीन हथियाने जैसे अपराधों में भी शामिल था।

बाद में दो हमलावरों को पुलिस ने गोली मार दी, क्योंकि इस घटना से अदालत कक्ष में अफरा-तफरी मच गई, जहां न्यायाधीश ने कार्यवाही शुरू की थी। फायरिंग में एक महिला वकील के घायल होने की खबर है।

गोगी की सुरक्षा कर रहे पुलिस कर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और हमलावरों को मार गिराया। एक प्रत्यक्षदर्शी ने आईएएनएस को बताया, 'पुलिस और हमलावरों के बीच कम से कम 30-35 राउंड फायरिंग हुई।' एक दिन बाद, शनिवार, 25 सितंबर को, पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान उमंग यादव (22) और विनय मोटा (19) के रूप में हुई, जो कोर्ट शूटआउट के सिलसिले में थे। गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से यादव ने खुलासा किया था कि वह पिछले दो साल से मंडोली जेल में बंद टिल्लू ताजपुरिया के लिए काम करता था।

पश्चिम जिले में विभिन्न स्थानों पर मनी गांधी जयंती

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 03 अक्टूबर । पश्चिम जिला के विभिन्न स्थानों में महात्मा गांधी के 152वीं जन्म जयंती पालन किया गया। इस अवसर पर स्कूल, सड़क, गली, महकमा कार्यालय तथा विभिन्न ग्राम प्रशासन केंद्रों में अहिंसा दिवस मनाया गया। इसी क्रम में पश्चिम जिला के लिंगचोम उच्च माध्यमिक विद्यालय के एनएसएस और रेड रिवन क्लब ने सफाई आयोजन आयोजित किया। विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी के विचार धारा पर आधारित देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किए।

इसी प्रकार लिंगचोम ग्राम प्रशासन केंद्र ने भी गांधी जयंती के अवसर पर स्पेशल ग्राम सभा के साथ सफाई अभियान आयोजित की। देंताम के महकमा कार्यालय और देंताम बाजार में महकमा अधिकारी एनके कार्की, एसडीपीओ विकास तिवारी तथा अन्यों की उपस्थिति में गांधी जयंती मनाया गया। इसी प्रकार लिंगचोम, तिकजेक, लांगगांग, गेजिंग लोकल टैक्सी चालक संगठन ने भी गेजिंग 10 माइल से लांगगांग तक चार किलोमीटर मार्ग में मरम्मति का कार्य किया।

गांधी जयंती के शुभ अवसर पर मंगसारी बाजार में भव्य सफाई अभियान संपन्न किया गया। मंगसारी मंगरजुंग ग्राम पंचायत सदस्य ज्ञान बहादुर तमांग की अगुवाई में ग्राम पंचायत, मंगसारी आउट पोस्ट, मंगसारी बाजार में सफाई अभियान चलाया गया। इसी प्रकार हि ग्राम प्रशासन केंद्र में भी सफाई अभियान संपन्न किया गया। इस अवसर पर देंताम महकमा अधिकारी एनके कार्की मुख्य अतिथि थे। महात्मा गांधी अहिंसा पर विश्वास रखते थे। उन्होंने जीवनभर अहिंसा का पालन किया और इसका प्रचार किया। स्वतंत्रता संग्राम में अहिंसा सबसे बडा अथियार था। अहिंसा पर जोर देते हुए समाज उत्थान के लिए अग्रसर बनने की आवश्यकता है।

क्रूज पर रेव पार्टी मामले में शाहरुख का बेटा आर्यन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। बॉलीवुड मेगा-स्टार शाहरुख खान और निर्माता गौरी के बेटे आर्यन खान और दो अन्य को रविवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने लक्जरी क्रूज जहाज पर रेव पार्टी करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

स्टार शाहरुख खान के बेटे और दो अन्य, जिनमें से दो लड़कियां समेत आठ लोग शामिल थे,उनको सुबह से ही एनसीबी ने हिरासत में ले लिया था। इन सभी लोगों को जल्द ही एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किए जाने की संभावना है।

उन्हें मेडिकल जांच के लिए एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन एनसीबी ने अभी तक ताजा घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

यह कार्रवाई शनिवार शाम को कॉर्डेलिया क्रूज डीलक्स जहाज पर एनसीबी के नाटकीय कार्रवाई के बाद हुई, क्योंकि यह एक निर्धारित मुंबई-गोवा यात्रा की तैयारी कर रहा था। इस घटना ने तमाम लोगों, विशेष रूप से मनोरंजन उद्योग के लोगों को स्तब्ध कर दिया है।

कॉर्डेलिया क्रूज ने रविवार को रेव पार्टी से स्पष्ट रूप से दूरी बना ली है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने कथित रूप से रेव पार्टी के आयोजन को लेकर क्रूज पर छापा मारा था, जिससे आतिथ्य और पर्यटन उद्योग में सनसनी फैल गई है। जुर्गन बैलोम, सीईओ और अध्यक्ष, वाटरवेज लीजर टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, 'मैं यह व्यक्त करना चाहता हूं कि कॉर्डेलिया क्रूज किसी भी तरह से, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, इस घटना से जुड़ा नहीं है। कॉर्डेलिया क्रूज ने अपने जहाज को एक निजी कार्यक्रम के लिए दिल्ली स्थित एक प्रबंधन कंपनी को एक कार्यक्रम के लिए दिया था।'

उन्होंने कहा कि कॉर्डेलिया क्रूज उन परिवारों को मनोरंजन प्रदान करने के लिए बेहद सावधान है, जो हमारे साथ यात्रा करते हैं, लेकिन यह घटना कॉर्डेलिया क्रूज का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृति से बहुत दूर है।

'हम, कॉर्डेलिया क्रूज में, इस तरह के सभी कृत्यों की निंदा करते हैं और भविष्य में इसी तरह की घटनाओं के लिए हमारे जहाज को बाहर जाने से सख्ती से परहेज करेंगे।'

यह बयान तब आया जब नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक लक्जरी क्रूज लाइनर पर अपनी पहली छापेमारी की और बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी के बेटे आर्यन खान सहित कम से कम आठ लोगों को हिरासत में लिया। देश भर के लोगों को स्तब्ध करने वाली इस घटना की शीर्ष राजनीतिक नेताओं ने भी निंदा की है जिन्होंने दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

किसानों के प्रति हिंसक व्यवहार कर रही बीजेपी सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लखीमपुर की घटना में तत्काल हत्या का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी हो। अब दंभी भाजपाइयों का जुल्म उत्तर प्रदेश नहीं सहेगा। यही हाल रहा तो उत्तर प्रदेश में भाजपाई न गाड़ी से चल पाएंगे, न उतर पाएंगे। अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि बस एक मांग मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। सरकार घायल किसानों का सर्वोत्तम इलाज करवाए। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार किसानों के आंदोलन के प्रति हिंसक व्यवहार कर रही है। तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ लखीमपुर में तिकोनिया कस्बे के बनवारीपुर गांव में लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों पर भाजपा सरकार के गृह राज्यमंत्री के पुत्र द्वारा गाड़ी से कुचलना घोर अमानवीय और क्रूर कृत्य है।

अखिलेश यादव ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। भाजपा सरकार किसानों को लगातार अपमानित कर रही है। अब तो तानाशाही तरीके से भाजपा किसानों की हत्या पर उतारू हो गई है।

अखिलेश ने कहा कि पिछले 10 माह से अपनी मांगों में लेकर आंदोलन कर रहे किसानों की भाजपा सरकार सुनवाई नहीं कर रही है। इससे किसानों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। अखिलेश ने कहा कि लखीमपुर खीरी में मंत्री के बेटे द्वारा किसानों को गाड़ी से कुचलना बेहद गंभीर घटना है।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

Draw No:44 DrawDate on:01/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 79A 05359

Cons. Prize Rs.1000/- 05359 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹8000/-

06945 11580 21000 21799 24702 37486 45531 46431 50894 80413

3rd Prize ₹450/-

1706 2096 3596 5011 5165 6120 7298 7525 7615 8862

4th Prize ₹250/-

3169 6082 7213 7775 8301 8598 8687 9323 9616 9645

5th Prize ₹120/-

0202 0239 0254 0272 0321 0344 0368 0409 0768 0979
1020 1038 1065 1311 1332 1421 1542 1677 1700 1822
2246 2252 2341 2389 2545 2694 2944 2998 3138 3379
3437 3475 3597 3808 3910 4322 4387 4420 4462 4556
4608 4657 4714 4856 4952 5068 5136 5140 5142 5161
5477 5503 5617 5700 5856 5073 5907 5929 6032 6049
6102 6155 6193 6388 6564 6566 6575 6627 6735 6761
6825 6903 6910 7131 7245 7400 7409 7416 7424 7530
7743 7910 7914 7956 8089 8121 8277 8293 8457 8538
8631 9167 9311 9324 9424 9488 9589 9762 9941 9965

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING

Draw No:144 DrawDate on:03/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 48E 43104

Cons. Prize Rs.1000/- 43104 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

24947 32359 39546 43584 45784 47885 48959 83922 92748 93160

3rd Prize ₹450/-

0932 2399 3122 5224 5908 6027 6829 8687 8784 8870

4th Prize ₹250/-

0690 1281 2066 2422 2445 2521 2838 5502 6941 9589

5th Prize ₹120/-

0078 0297 0305 0520 0606 0699 0731 0761 0844 0899
0953 1190 1191 1202 1234 1501 1548 1843 1892 1935
2022 2146 2212 2276 2368 2469 2710 2732 2951 3078
3199 3325 3417 3420 3421 4040 4125 4193 4238 4287
4392 4477 4483 4760 4769 4830 5008 5140 5297 5449
5533 5537 5761 5783 5788 5844 6097 6219 6245 6264
6326 6368 7019 7091 7143 7183 7267 7302 7310 7427
7459 7497 7499 7517 7667 7681 7767 7822 7945 7981
8062 8096 8310 8442 8508 8664 8772 8845 8872 8908
8998 9245 9300 9348 9369 9421 9675 9802 9905 9959

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

Draw No:44 DrawDate on:01/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 90E 75968

Cons. Prize Rs.1000/- 75968 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹8000/-

83319 05778 18469 22135 30145 41712 60800 76447 31328 98325

3rd Prize ₹450/-

0628 1286 1416 2099 2642 2739 3171 4624 5147 8129

4th Prize ₹250/-

0903 1592 2001 2756 3508 3555 3687 4663 7242 8925

5th Prize ₹120/-

0396 0430 0705 0801 0808 0809 0907 1000 1074 1131
1293 1359 1450 1476 1483 1521 1525 1653 1745 2038
2228 2471 2472 2499 2603 2626 2811 3123 3143 3450
3407 3757 3829 3899 4001 4107 4254 4283 4535 4656
5001 5166 5256 5326 5358 5455 5465 5472 5608 5742
5788 5922 5989 6076 6078 6082 6225 6288 6458 6469
6625 6652 6717 6797 6957 6996 7176 7268 7334 7426
7519 7549 7594 7670 7751 7834 7936 8120 8136 8175
8281 8323 8347 8395 8507 8617 8628 8702 8800 8902
9252 9340 9392 9523 9593 9635 9663 9786 9798 9837

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR JUPITER SUNDAY

Draw No:44 DrawDate on:03/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 92A 00356

Cons. Prize Rs.1000/- 00356 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01307 15666 13294 67800 72075 84988 85178 87493 91697 92345

3rd Prize ₹450/-

0244 0963 2308 3988 6445 6977 7283 7425 7920 9122

4th Prize ₹250/-

2260 2969 3306 4026 4169 4319 4660 4833 5495 6300

5th Prize ₹120/-

0050 0195 0296 0334 0458 0541 0620 0639 0921 1161
1284 1431 1705 1734 1820 2105 2220 2251 2477 2556
2604 2628 2676 3000 3090 3217 3269 3361 3416 3610
3706 3809 3841 3852 4009 4109 4194 4241 4306 4442
4507 4529 4632 4705 4841 4991 5011 5089 5101 5184
5348 5418 5425 5686 5956 5957 6045 6149 6225 6293
6316 6452 6479 6544 6604 6721 6849 6895 6908 7358
7567 7635 7650 7707 7726 7889 7958 8062 8072 8218
8283 8298 8392 8558 8674 8786 8824 8919 8940 8948
8949 9087 9146 9162 9599 9601 9719 9798 9821 9978

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

Draw No:144 DrawDate on:01/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 60B 78562

Cons. Prize Rs.1000/- 78562 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

06956 08586 11168 14062 37814 62922 69948 76523 88566 90145

3rd Prize ₹450/-

1099 1153 1603 4407 4884 5950 6654 9039 9300 9311

4th Prize ₹250/-

0000 0445 0647 1806 2974 4915 6546 7026 7209 9263

5th Prize ₹120/-

0018 0066 0141 0192 0229 0235 0520 0551 0825 0932
1004 1254 1332 1373 1376 1390 1638 1738 1803 1811
1928 2170 2256 2376 2508 2613 2615 2631 2976 3148
3160 3280 3322 3530 3724 3838 4083 4109 4216 4379
4298 4354 4681 4683 4741 4997 5802 5039 5094 5214
5217 5582 5641 5782 5914 5935 5993 6000 6070 6239
6290 6364 6470 6641 6901 6004 6855 6001 6926 6932
6958 6970 7123 7496 7548 7728 7831 7917 7947 8121
8285 8311 8411 8416 8618 8638 8698 8705 8731 8777
8807 9088 9135 9353 9635 9748 9751 9825 9884 9992

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR DAMODAR MORNING

Draw No:44 DrawDate on:03/10/21

1st Prize ₹1 Crore/- 53B 77015

Cons. Prize Rs.1000/- 77015 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02598 02994 16068 22631 26296 50702 55935 63722 66075 83132

3rd Prize ₹450/-

2217 2389 2949 3996 4023 4784 5908 8012 8186 9867

4th Prize ₹250/-

1493 1956 2374 4322 5294 5490 5692 5747 6493 7303

5th Prize ₹120/-

0058 0154 0345 0417 0489 0674 0900 0974 1249 1434
1459 1502 1729 1791 1963 2345 2574 2588 2879 2891
2926 2978 3013 3088 3110 3150 3222 3297 3404 3443
3446 3512 3702 3751 3953 3983 4233 4255 4274 4293
4307 4450 4740 4759 4840 4886 4892 5075 5085 5186
5216 5217 5326 5588 5617 5622 5961 6019 6215 6448
6525 6539 6553 6604 6615 6643 6703 6791 6799 6817
6818 7080 7092 7169 7185 7201 7283 7422 7460 7511
7564 7651 7702 7720 7962 7976 7992 8030 8471 8984
9033 9069 9557 9631 9641 9758 9896 9919 9947 9978

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

साफ-सफाई का सपना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) 2.0 और कायाकल्प व शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) 2.0 का शुभारंभ किया। इन दोनों प्रमुख योजनाओं का लक्ष्य भारत के शहरों को कचरा मुक्त बनाना है। ये दोनों ही योजनाएं इसलिए भी स्वागतयोग्य हैं, क्योंकि गंदगी के मामले में भारतीय शहरों की गिनती ऊपर होती है। कई बडे.शहरों में ऐसे-ऐसे गंदे इलाके हैं कि वहां से गुजरना भी खतरे से खाली नहीं होता। कचरा, गंदगी, बीमारी, दूषित पेयजल, दूषित हवा, ध्वनि प्रदूषण इत्यादि से कई शहरी इलाकों की हालत खराब है। अत: केंद्र के दोनों ही अभियानों की देश को बड़ी जरूरत है। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई को भी कचरा मुक्त शहर नहीं कहा जा सकता। स्वच्छता अभियान का लाभ देश ने पहले देखा है, लेकिन अब स्वच्छता पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। नए अभियान में अगर पिछले अभियान जैसा जोश दिखा, तो कम से कम छोटे शहरों का कायाकल्प हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि स्वच्छ भारत 2.0 मिशन के साथ उनकी सरकार शहरी क्षेत्रों को कचरा मुक्त बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस अभियान में निचले स्तर पर अधिकारियों और स्थानीय निकायों को भी अपना पूरा योगदान देना पडेगा। अक्सर यह देखा गया है कि किसी भी अच्छी योजना को स्थानीय स्तर पर लापरवाही या उदासीनता के चलते नाकाम कर दिया जाता है। यह ध्यान रखना होगा कि स्थानीय स्तर पर समर्पण का अभाव नए अभियान के समय भी सामने आएगा। मूलभूत ढांचा वही है, उसी ढांचे का उपयोग शहरों को सुधारने के लिए करना है। ताजा अभियानों में शहरी अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों को आईना दिखाना भी जरूरी है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन देशों में साफ-सफाई की हम दुहाई देते हैं, उन देशों में गंदगी फैलाने पर कैसी कड़ाई होती है, कैसे दंड या जुर्माना लगता है। अभियान के दूसरे चरण में सीवेज, जल निकासी, पेयजल पर विशेष ध्यान देने की व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में सीवेज व जल निकासी का ढांचा फिर से खड़ा करने की जरूरत है, ताकि नए ढांचे के साथ शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री बोल रहे हैं कि शहरों में कचरे के ढेर को संसाधित किया जाएगा और पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। लेकिन स्थानीय स्तर पर अधिकारी वाकई ऐसा कर सकेंगे? क्या दिल्ली जैसे शहरों से भी कचरा के पहाड़ अब हट जाएंगे?

प्रधानमंत्री के अनुसार, अभी भारत हर दिन लगभग एक लाख टन कचरे का निपटारा कर रहा है। जब 2014 में स्वच्छता अभियान शुरू किया गया था, तब 20 प्रतिशत से भी कम कचरे को निपटारा किया जाता था। आज दैनिक कचरे का लगभग 70 प्रतिशत प्रसंस्करण हो रहा है, अगला कदम इसे पूर्ण 100 प्रतिशत तक ले जाना है। जो लक्ष्य अब इन अभियानों के लिए तय किए गए हैं, उन्हें युद्ध स्तर पर पूरा करना चाहिए। विकसित व स्वस्थ्य देश के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी है। हमें गांधी जी का उदाहरण भी हमेशा सामने रखना चाहिए। गांधी जी कहीं भी आंदोलन के लिए जाते थे, तो उनके काम की शुरुआत सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई से ही होती थी। इसमें कोई शक नहीं कि सभ्य इंसान बनने की पहली सीढ़ी साफ-सफाई ही है।

युवा शक्ति - खेल से लेकर स्टार्ट-अप तक

निसिथ प्रमाणिक
केन्द्रीय राज्यमंत्री

भारत की युवा प्रतिभा को प्रदर्शित करने और अन्य देशों के बीच अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराने के लिए, देश में खेल एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। खेल की अवसंरचना, प्रबंधन, खेल प्रतिभाओं को कई तरह की आवश्यक सुविधाएं देने और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, भारत में आज खेल एक अकादमिक अनुशासन के रूप में भी विकसित हुआ है, जो खेल से सम्बन्धित विभिन्न उप-क्षेत्रों के विशेषज्ञों का एक संवर्ग तैयार करता है। इस माध्यम से विशेषज्ञों को स्थायी करियर की संभावनाओं का लाभ मिलता है।

विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। देश को अपने युवाओं को विभिन्न प्रकार की खेल संबंधी गतिविधियों में शिक्षित और प्रशिक्षित करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अनुसंधान और अभ्यास से पता चलता है कि खेल में युवाओं को शामिल करने के कई लाभ हैं, जैसे स्वास्थ्य और कल्याण, आत्मविश्वास, मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा की भावना, टीम के साथ काम करना, संघर्ष समाधान, अनुशासन, समय प्रबंधन, लक्ष्य और उपलब्धि अभिरुचि, खिलाड़ियों का सम्मान और उनके प्रति सहानुभूति, नेतृत्व, सहिष्णुता, विश्वास, चौकन्ना रहना, आत्म-सम्मान, चरित्र निर्माण, उच्च जोखिम वाले व्यवहार में कमी आना, चिंता और अवसाद आदि के जोखिम में कमी आना आदि।

युवाओं को खेल और फिट रहने से संबंधित गतिविधियों में शामिल करने के कई आसान तरीके हैं, जैसे टहलना, दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी, जिम में कसरत करना और घर से बाहर मैदान में खेलना आदि। इन गतिविधियों के विभिन्न लाभ हैं, जैसे मनोप्रेरणा कौशल विकास, शारीरिक श्रम द्वारा ऊर्जा-स्तर कम करना, मोटापे का जोखिम कम करना और शरीर को अधिक आराम देने पर आधारित जीवनशैली में बदलाव लाना तथा शारीरिक श्रम को जीवनशैली में शामिल करना आदि। खेल को एक करियर के रूप में चुनने के अपने फायदे हैं। इसमें जीवन भर के लिए आशा के अनुरूप आय प्राप्त होने की गारंटी है।

शारीरिक और भावनात्मक रूप से फिट भविष्य की पीढ़ी बनाने के लिए और इस विशाल आबादी के बीच तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय युवा नीति के अनुरूप कई कदम उठाए हैं। कोविड-19 महामारी की विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, भारत ने इस वर्ष टोक्यो ओलंपिक, 2020 में 7 पदक और पैरालंपिक में उल्लेखनीय रूप से 19 पदक हासिल करके खेल प्रदर्शन में वैश्विक पहचान बनाई है। भारत में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा स्थापित खेल विश्वविद्यालयों की संख्या बहुत कम है। इसके अलावा, शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ ही मुख्य रूप से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने का कार्य कर रहे हैं।

युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने, उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने और उपलब्धि हासिल करने के लिए उन्हें प्रेरित करने को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में एक विशिष्ट राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) स्थापित किया जायेगा। इसका उद्देश्य खेल विज्ञान में शिक्षा, अनुसंधान व नवाचार को प्रोत्साहन देना है, ताकि खेल प्रतिभाओं के खेल प्रदर्शन को बढ़ाया जा सके। खेल विज्ञान और चिकित्सा से संबंधित सहयोग व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए एनसीएसएसआर एक समग्र संकाय के रूप में संस्थागत नेटवर्क स्थापित करेगा। इसके अलावा, एनसीएसएसआर साई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों और उच्च प्रदर्शन केंद्रों को खेल विज्ञान उपकरण प्रदान करने के लिए प्रमुख केंद्र (हब) के रूप में भी कार्य करेगा। इस योजना के तहत देश भर के 6 विश्वविद्यालयों में खेल जैवरसायन, खेल व शरीर विज्ञान, खेल जैवयांत्रिकी, खेल संबंधी शरीर की भौतिक चिकित्सा, प्रशिक्षण विधियों और खेल पोषण, खेल मनोविज्ञान तथा खेल चिकित्सा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने के लिए खेल विज्ञान के संकायों को स्थापित/मजबूत किया जायेगा।

सेवाओं के विशिष्ट वितरण को सुनिश्चित करने के लिए, एनसीएसएसआर; खेल प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का पोषण करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाने, चोट की दर को कम करने, खेल दवाओं तथा खेल विज्ञान की तकनीकों को लागू करने हेतु एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाएगा तथा एक त्वरित पुनर्वास मॉडल भी विकसित करेगा। एनसीएसएसआर की यह व्यवस्था, मुख्य केंद्र से जुड़े विभिन्न सहायक केंद्र प्रारूप (हब एंड स्पोक मॉडल) पर आधारित होगी। इस पहल के माध्यम से उपरोक्त विश्वविद्यालयों में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा के क्षेत्र में अत्यधिक कुशल मानव संसाधन का एक पूल तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे खेल अनुसंधान में सुधार होगा और विदेशी विशेषज्ञों पर निर्भरता भी कम होगी। यह खेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु में स्थित है। यह युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। संस्थान, खेल विज्ञान में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम का प्रस्ताव देगा। इस विशेष पाठ्यक्रम के तहत खेल मनोविज्ञान, खेल शरीर विज्ञान, खेल चिकित्सा और खेल प्रबंधन जैसे विषय होंगे। शैक्षणिक वर्ष (2022) से खेल उद्योग की भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से तैयार किए गए इस विशेष पाठ्यक्रम के तहत अभ्यास की भी सुविधा होगी।

आज, ऐसे हजारों भारतीय खिलाड़ी हैं, जो कभी शौक माने जाने वाले खेलों में शामिल होकर करोड़पति बन गए हैं। उम्मीद है कि खेल उद्योग आकर्षक करियर विकल्पों की पेशकश करेगा। प्रमुख करियर विकल्प निम्न हो सकते हैं - टीम मैनेजर, रणनीति विशेषज्ञ, फिटनेस विशेषज्ञ, आहार सलाहकार, व्यक्तिगत प्रशिक्षक, रेफरी, अंपायर, मनोवैज्ञानिक, चिकित्सक, शरीर विज्ञानी, खेल चिकित्सक, खेल मीडिया और खेल आयोजनों के प्रबंधन में लगे अन्य अधिकारी आदि।

खेल क्षेत्र; युवाओं और खेल इकोसिस्टम से संबंधित विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करके भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। विश्व स्तर पर लगभग 500 बिलियन डॉलर का उद्योग होने के साथ, खेल क्षेत्र उद्यमशीलता के असंख्य अवसरों की पेशकश करता है। यह उद्योग लगातार बढ़ रहा है। एनसीएसएसआर और आरजीएनआईवाईडी के माध्यम से अकादमिक पाठ्यक्रमों में सफल होने वाले उम्मीदवारों की खेल क्षेत्र में भारी मांग होगी। वे स्टार्ट-अप शुरू कर सकते हैं तथा उनके पास खेल उद्योग से जुड़ी विभिन्न भूमिकाओं का भी विकल्प होगा। खेल उद्योग से संबंधित कुछ संभावित स्टार्ट-अप निम्न हो सकते हैं: फोटोग्राफी, मीडिया प्रबंधन, खुदरा स्टोर, खेल लेखन, खेल क्लब, व्यायामशाला, खेल रेडियो, जन संपर्क एजेंसी, प्रतियोगिता आयोजक, खेल कोचिंग, व्यक्तिगत प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञ, कोचिंग अकादमी, खेल प्रशिक्षण केंद्र, मार्शल आर्ट, खेल स्कूल, खेल अवसंरचना कंपनियां, खेल उपकरण निर्माण, खेल थीम वाले रेस्तरां, खेल सुविधाओं की स्थापना के लिए परामर्श, खेल शिविर, खेल प्रतियोगिताएं/लीग आयोजक, दौड़ आयोजक, ग्रीष्मकालीन शिविर, स्विमिंग पूल सुविधाएं, स्पोर्ट्स ब्लॉग लेखक, खेल संबंधी ऐप निर्माता, खेल पत्रिका प्रकाशक, खेल वेबसाइट निर्माता, यूट्यूब प्रशिक्षक, खेल वस्त्र व सहायक सामग्री निर्माता, खेल वीडियो गेम निर्माता, खेल चिकित्सक, खेल आयोजन प्रबंधन, कर्मचारियों के बीच खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट जगत के साथ साझेदारी करना आदि। ये प्रयास उन युवाओं को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेंगे, जो खिलाड़ी बनना चाहते हैं या खेल के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। युवा इन कार्यक्रमों के तहत स्वयं को शिक्षित और प्रशिक्षित कर सकते हैं।

कहां गईं नौकरियां

पी. चिदंबरम

क्या दस या उससे अधिक लोगों को रोजगार देने वाली भारतीय कंपनियों में 1947 के बाद से रोजगार बढ़ा है? इसका जवाब तलाशने के लिए अधिक दिमाग लगाने की जरूरत नहीं है। जवाब है, हां। अब संदर्भ वर्ष को बदल कर 2013-14 कर दें। जवाब तब भी हां ही होगा, जब तक कि अर्थव्यवस्था युद्ध या अकाल या प्राकृतिक आपदाओं से तबाह न हो गई हो। जहाज की कमान किसी मजबूत हाथ में न हो, तब भी वह सामान्य परिस्थितियों में आगे बढ़ता जाता है।

असल सवाल यह नहीं है कि क्या 2013-14 यानी यूपीए सरकार के अंतिम वर्ष के बाद से कुल रोजगार में वृद्धि हुई। भाजपा ने हर साल दो करोड़ रोजगार सृजित करने का वादा किया था। सात वर्षों में अर्थव्यवस्था के उनके 'कुशल' प्रबंधन में औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में 14 करोड़ नए रोजगार पैदा होने चाहिए थे, जो कि नहीं हुए।

कुछ दिनों पूर्व श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने ऐसे नौ क्षेत्रों की दस या उससे अधिक कर्मचारियों को रोजगार देने वाली कंपनियों से संबंधित सर्वेक्षण की रिपोर्ट जारी की थी, जिनका औपचारिक क्षेत्र के कुल रोजगार में 85 फीसदी का योगदान है। रिपोर्ट का निष्कर्ष था कि कुल रोजगार 2013-14 (छठी आर्थिक जनगणना) के 2.37 करोड़ से बढ़कर 3.08 करोड़ हो गया, यानी सात वर्षों में 71 लाख रोजगार या नौकरियों की बढ़ोतरी। अन्य क्षेत्रों के आंकड़ों पर भी गौर करें, तो नए रोजगार की संख्या 84 लाख हो गई।

ऐसा प्रतीत होता है कि रिपोर्ट में अनौपचारिक क्षेत्र या कृषि क्षेत्र को शामिल नहीं किया गया। रिपोर्ट दावा करती है कि 'सबसे शानदार वृद्धि' 22 फीसदी (विनिर्माण) से लेकर 68 फीसदी (परिवहन) और 152 फीसदी (आईटी/बीपीओ) रही- लेकिन, याद रखें कि इन सबने मिलकर कुल 71 लाख नए रोजगार जोड़े! चूंकि सरकार ने आवर्ती श्रम सर्वे को रोक दिया है, हम दूसरे स्रोतों को देखने को मजबूर हैं। सरकार के शब्दों में, 'साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और सांख्यिकी-आधारित कार्यान्वयन' को उद्धरित करने के लिए डाटा महत्वपूर्ण है।

सबसे विश्वसनीय है, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) द्वारा एकत्र और प्रकाशित रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित आंकड़ा। एक संक्षिप्त नोट में, श्री महेश व्यास ने सितंबर, 2021 के तीसरे सप्ताह के अंत में आंकड़े के आवश्यक निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत किया है। मैंने इन्हें टेबिल में देने की कोशिश की है।

सीएमआईई ने सही कहा है कि, 'कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन से भारत की रिकवरी तेज, आंशिक और क्षीण रही...।' क्षीण शब्द पर गौर कीजिए। किसी भी तरह की रिकवरी- वी या अंग्रेजी वर्णमाला के किसी भी शब्द के आकार की रिकवरी- को बढ़ा-चढ़ाकर भले ही बताया जाए, लेकिन जब तक रोजगार का कुल स्तर 2019-20 के स्तर तक न पहुंच जाए और उसे पार न कर ले, तब तक ये तथाकथित 'रिकवरी' भ्रामक ही है।

लोगों के पास नौकरियां होनी चाहिए और नौकरी के साथ उनकी आय भी बढ़नी चाहिए। किसी भी तरह की आर्थिक रिकवरी, यदि रोजगार के पुराने स्तर को न हासिल कर ले और उसे पार न कर ले, तो लोगों के लिए अर्थहीन है। प्रौद्योगिकी, नई मशीनें, नई प्रक्रियाएं और आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस विकास तो ला सकते हैं, लेकिन यह विकास यदि पुराने रोजगार की बहाली नहीं करता या नए रोजगार सृजित नहीं करता है, तो हमारे लिए बड़ी समस्या पैदा हो जाएगी। सरकार अड़ियल तरीके से मानने को तैयार नहीं है कि भारत में सचमुच यह समस्या है; इससे भी बुरा यह कि इस समस्या से उबरने के उपायों में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

सिकुड़ता श्रम बल एक और गंभीर समस्या की ओर संकेत कर रहा है। अगस्त, 2021 में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) और रोजगार दर, दोनों ही उल्लेखनीय तरीके से फरवरी, 2020 की तुलना में कम रहे (टेबिल देखें)। तार्किक निष्कर्ष यह है कि लोगों की बड़ी संख्या श्रम बाजार से अलग हो गई (यानी उन्होंने रोजगार तलाशना बंद कर दिया) और कामकाजी लोगों की संख्या में भी गिरावट आई। जब तक इन दो अनुपातों को उलट नहीं दिया जाता, तब तक जीडीपी के आकार को तेजी से दोगुना करने या जर्मनी या जापान जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़ने का कोई रास्ता नहीं है।

सीएमआईई ने सितंबर, 2020 और सितंबर, 2021 के बीच कुल रोजगार में शुद्ध संचयी वृद्धि की गणना की है : यह केवल 44,483 है। नौकरियां खत्म हुई हैं और हो रही हैं; नए रोजगार सृजित हुए हैं; लेकिन यदि 12 महीनों में कुल वृद्धि सिर्फ 44,483 है, तब भी फिर अर्थव्यवस्था के प्रबंधन और मंत्रियों तथा आर्थिक सलाहकारों के बड़े-बड़े दावों के बारे में क्या कहा जाए? श्री व्यास, प्रासंगिक रूप से देखते हैं कि 'यह रिकवरी प्रक्रिया के समय से पहले ही क्षीण हो जाने का संकेत है। यह गंभीर है, क्योंकि जहां अतिरिक्त नौकरियों का सृजन रुका हुआ है, वहीं कामकाजी उम्र की आबादी निरंतर बढ़ रही है।'

यदि हम लैंगिक आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण करें; या आंकड़ों को ग्रामीण बनाम शहरी के चश्मों से देखें; या नौकरियों की गुणवत्ता का परीक्षण करें, तो निष्कर्ष और भी हताश करने वाले हैं। कृषि क्षेत्र तारणहार रहा है। इसने मार्च, 2020 और अगस्त, 2021 के दौरान 46 लाख अतिरिक्त श्रमिकों को रोजगार दिया, लेकिन इसी अवधि में ग्रामीण भारत ने 65 लाख गैर कृषि रोजगार गंवा दिया। लोग गैर-कृषि से कृषि नौकरियों में स्थानांतरित हो गए, लेकिन यह केवल प्रच्छन्न बेरोजगारी हो सकती है।

मैं चाहता हूं कि प्रधानमंत्री अपने अगले मन की बात कार्यक्रम में बेरोजगारी और रोजगार के मुद्दे पर बात करें। उन्हें वित्त मंत्रालय की साफ-सुथरी और संक्षिप्त रिपोर्ट को अलग रखकर उन वास्तविक लोगों से बात करनी चाहिए, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दी है और ऐसे युवा जो नौकरी की तलाश में हैं। यही लोग उन्हें कुछ कड़वे सच बता सकते हैं।

कमाल की कमला भसीन

सुरेश तोमर

वह कहती थीं- 'सिर्फ महिलाओं के संसद में आने से चीजें बेहतर नही होंगी। मैं चाहती हूं कि अधिक नारीवादी महिलाएं संसद में पहुंचें। जब नारीवादी महिला स्त्री-पुरुष समानता की बात करेंगी, तो वे महिला कास्ट (जाति) के चक्कर में पीछे नहीं हटेंगी। मैं नारीवादी महिला ही नहीं, मैं नारीवादी पुरुष भी चाहती हूं, क्योंकि यह सोच, कोई जिस्मानी सोच नहीं है। नारीवाद से हमारा मतलब है-समानता और सिर्फ समानता।'

देखा जाए तो स्त्री-पुरुष समानता के लिए जो संघर्ष लगभग चार दशक पहले उन्होंने शुरू किया था, वह आज पर्याप्त विस्तार पा चुका है। उनका जन्म 1946 में मंडी बहाउद्दीन (पाकिस्तान) में हुआ था। वह अपने आपको पूरे दक्षिण-एशिया का नागरिक मानती थीं। यह बात और है कि वह आधिकारिक तौर पर भारत की नागरिक थीं। वह 75 साल की हो चुकी थीं, पर मैंने हमेशा उन्हें उत्साह और ऊर्जा से भरी एक 25 साल की युवती की तरह ही देखा। इस उम्र में भी काम करने की उनकी सक्रियता प्रेरणास्पद थी। इतनी उम्र के होने के बावजूद वह दिन में लगभग 16-18 घंटे सक्रिय रहतीं थीं। व्यक्ति की सकारात्मकता और दृढ़ लक्ष्य के लिए प्रतिबद्धता उसे सदैव गतिशील और ऊर्जावान बनाए रखती है, और वह इसका जीता जागता उदाहरण थीं।

मैं उन्हें तब से जानता था, जब वर्ष 2009-10 में मैंने चंबल क्षेत्र में लैंगिक समानता विषय पर काम करना शुरू किया था। इस विषय पर लिखना-पढ़ना अलग मसला है और चंबल जैसे स्त्री विरोधी इलाके में काम करना अलग बात है। यहां आपको एक व्यावहारिक दृष्टिकोण की जरूरत होती है। नारीवाद का यह व्यावहारिक दृष्टिकोण मुझे कमला दी (कमला भसीन) से ही मिला। कमला दी की लिखी, जागोरी द्वारा प्रकाशित उनकी पुस्तिकाओं से ही मैंने जेंडर (स्त्री विमर्श) की अपनी समझ विकसित की। फिर मैंने सत्यमेव जयते में आमिर खान से बात करते हुए उन्हें देखा। दिल्ली और भोपाल के कुछ कार्यक्रमों में उन्हें सुना।

नारीवाद पर तमाम किताबों को पढ़ते हुए हमेशा लगता था कि जितने सरल ढंग से कमला दी नारीवाद की व्याख्या करती हैं, कोई दूसरा नहीं कर पाता। उनका कहना था कि जब तक आप पितृसत्ता, मर्दानगी और स्त्री-पुरुष की बराबरी संबंधी पारंपरिक और रूढ़िवादी धारणाओं को नहीं समझेंगे, आप स्त्री-पुरुष की असमानता को समाप्त नहीं कर सकते। उनके विचार, गीत, चुटकुले और साथियों के बीच विशिष्ट पहचान रखने वाली उनकी हंसी सभी स्त्री-पुरुष की बराबरी के अस्त्र थे।

वह अपने जीवन की तमाम दुश्वारियों के बावजूद हमेशा हंसती रहती थीं। उनका कहना था कि स्त्री-पुरुष समानता की लड़ाई बहुत लंबी चलने वाली है। हम इसे दु:खी रहकर और गुस्से या नाराजी के साथ नहीं लड़ सकते, यह लड़ाई हंसते-मुस्कुराते हुए ही लड़ी जा सकती है। धर्मशाला (हिमाचल) में बना जागोरी का प्रशिक्षण-केंद्र हर साल मई-जून के महीनों में जेंडर समानता की समझ विकसित करने के लिए पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित करता है। जिसका दारोमदार मुख्यत: कमला दी और उनकी सहयोगी आभा भैया पर ही रहता है।

कमला भसीन का कहना था कि पितृसत्ता ने पुरुषों को इस तरह से प्रशिक्षित किया है कि उन्हें सत्ता के चक्कर में इसके लाभ तो नजर आते हैं, परंतु इससे होने वाले नुकसान नजर नहीं आते। सत्ता के अहंकार में पुरुष अपने परिवारों में आत्मीय व्यवहार नहीं कर पाता और वह अपने परिवार में स्त्री और बच्चों के प्रेम और अपनेपन से वंचित हो जाता है। जो पुरुष, स्त्री पर हिंसा करता है वह सुखी कैसे रह सकता है? उसके अंदर बहुत कुछ अधूरा रह जाता है। उनका कहना था कि जिस परिवार में माता-पिता बराबरी के व्यवहार के साथ, एक-दूसरे का सम्मान करते हुए रहते हैं, उस परिवार के बच्चे भी यही भाव देखते और सीखते हैं। जिस परिवार में माता-पिता के बीच असमान व्यवहार, तनाव और हिंसा होती है, पिता रोज मां पर अत्याचार करता है उस परिवार के लड़के उसी तरह का व्यवहार सीखते हैं और लड़कियां हिंसा सहना सीखती हैं।

कमला दी ने लैंगिक समानता पर अनेक किताबें लिखीं, ढेरों गीत और लोकगीत लिखे। वह लैंगिक समानता के विषय को बहुत आसानी से समझाती थीं। पितृसत्ता, और महिलाओं पर होने वाली हिंसा जैसे विषयों पर लिखी उनकी पुस्तकें और गीत, लैंगिक समानता पर काम करने वाले देशभर के तमाम व्यक्तियों और संस्थाओं के लिये बेहद उपयोगी हैं। उनका एक गीत है:- 'सीना-पिरोना है धंधा पुराना, हमें दो ये दुनिया गर रफू है कराना।'

नाटक द वजाइना मोनोलॉग्स की लेखिका ईव एंस्लर द्वारा शुरू किए गए वैश्विक आंदोलन उमड़ते सौ करोड़ (वन बिलियन राइजिंग) की दक्षिण-एशिया में वे कर्ता-धर्ता थीं। गीत-संगीत और नृत्य के मिश्रण से बना उनका व्यक्तित्व इस विश्वव्यापी आंदोलन के लिए बहुत मुफीद था। संगत और जागोरी जैसे संगठनों के पीछे वह मुख्य प्रेरणास्रोत थीं। उनकी प्रेरणा से ही सावित्रीबाई फुले के जन्मदिन तीन जनवरी को प्रतिवर्ष भारतीय महिला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है।

आत्मबल की आराधना का पर्व नवरात्रि

नवरात्रि आत्मबल को प्रबल करने का अवसर है। नवरात्रि में नौ रूपों में देवी जनमानस के बीच आती हैं और मन और तन के शोधन का महत्व समझाती हैं। उनके नौ रूपों की आराधना का क्रम दर असल हमारे जीवन की वरीयताएं क्या होना चाहिए, यह भी समझाता है। सबसे पहले प्रकृति और प्रवृत्ति और सबसे अंत में धन।

नवरात्रि (17 अक्तूबर से 25 अक्तूबर) पर विशेष

नवरात्रि यानी आत्म-चिंतन और प्रकृति से एकाकार होने का एक पावन समय है। इस पर्व के पीछे हमारी सनातन परंपरा, सजगता और ऋतु जनित व्याधियों से लड़ने की तैयारी भी छिपी है। ऋतु परिवर्तन होने पर शरीर का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है। ऐसे में नवरात्रि के रूप में हमको यह संदेश दिया जाता है कि नौ दिन तक अपने को ऋतु के मुताबिक तैयार करो। व्याधियों से लड़ने के लिए शारीरिक अनुशासन का पालन करो। इसलिए, हर ऋतुकाल में नवरात्रि के नौ दिन शारीरिक अनुशासन का संदेश लेकर आते हैं।

हर प्राणी के कुछ बल कहे गए हैं। मनुष्य के बलों में तीन बल आते हैं- विद्या, बुद्धि और विवेक। जिसके पास ये तीनों बल हों, उसमें आत्म-विश्वास की कमी नहीं होती और न ही उसका आत्मबल कमजोर पड़ता है। इसी प्रकार से तीन शोधन भी हैं। मनुष्य के लिए यह तीन शोधन- वात, पित्त और कफ हैं यानी शारीरिक दृष्टि से अपने को मजबूत करना। धन का स्थान बाद में आता है, पहले तन और मन के प्रकाश की कामना की गई है। और देवी भगवती की आराधना का पहला मूल मंत्र ही यही है बल प्राप्त करना और शरीर का शोधन करना। जिसने इसे प्राप्त कर लिया, उसका जीवन आलोकित हो गया।

मन की दो अवस्थाएं होती हैं। वह माया-मोह में पड़ता है या फिर नकारात्मक ऊर्जा की ओर जाता है। देवी कहती भी हैं, मन सबके पास होता है, हर जीव-जंतु अपना भला-बुरा सोचता है, लेकिन उसको यह नहीं पता होता कि कब क्या करना है। विवेक की पूंजी तो केवल मनुष्य के पास है, और किसी के पास नहीं। यही समझाने के लिए देवी भगवती नवरात्रि में नौ रूपों में आती हैं। प्रकृति से लेकर अंश-वंश तक का समस्त अर्थशास्त्र समझाती हैं।

देवी भगवती, महालक्ष्मी के रूप में सौभाग्य प्रदान करती हैं, काली के रूप में सृष्टि में अनुशासन रखती हैं और सरस्वती के रूप में शब्द-सुर संसार का संचालन करती हैं। देवी का पहला स्वरूप शैलपुत्री है और दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का। नवां स्वरूप सिद्धिदात्री यानी लक्ष्मी का है। यह क्रम बदल भी सकता था, लेकिन देवी ने सबसे पहले अपना स्वरूप प्रकृति और फिर प्रवृत्ति रखा। धन का स्थान अंत में है। नवरात्रि भी प्रकृति का ही उत्सव है। संकेत साफ है- प्रकृति बिगड़ी तो आपदा या महामारी निश्चित है।

देवी भले ही एक स्त्री के रूप में परिभाषित हों, लेकिन वह आत्मबल हैं। वह आद्या हैं। देवी शास्त्रों में उनके तीन बल कहे गए हैं- सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण। देवी वस्तुत- आपदा की देवी हैं। जब सृष्टि में महामारी फैली, आपदा आई तो देवी भगवती ने जन्म लिया। फिर चाहे वह शाकुंभरी बनकर आई हों या शताक्षी बनकर या पीताबंरा के रूप में। ऐसे में तमाम महामारी और व्याधियों को जीतने का एक ही मंत्र है- आत्मबल। कोरोना काल से बढ़ कर उदाहरण और क्या हो सकता है। देवी आराधना आत्मबल की प्रतीक हैं। श्री दुर्गा सप्तशती का प्रारम्भ ही कवच से होता है।

यह तन-मन का संदेशात्मक कवच है। विभिन्न देवियां शारीरिक अंगों की शक्ति हैं। समग्र रूप से यह शक्तियां दुर्गा या भवानी का रूप लेती हैं, जिसे शरीर कहा जाता है। शरीर के समस्त अवयवों की शक्तियां ही ऋतु-व्याधियों से लड़ती हैं। अर्गलास्तोत्र में, देवी काली से प्रार्थना होती है कि वह जगत का कल्याण करें। इसमें भी आरोग्यता प्रथम है। कीलकम् गुप्त है। यह मानसिक तप है। जप है।

धारण करें देवी के बीज मंत्रों की ऊर्जा

श्री दुर्गा सप्तशती सात सौ श्लोकों का ग्रंथ है। यह केवल देवी चरित नहीं है। इसमें चार तत्व शोधन यानी चिकित्सा भी हैं।

ऊं ऐं आत्मतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं विद्यातत्वं शोधयामि
ऊं क्लीं शिवतत्वं शोधयामि
ऊं ह्रीं क्लीं सर्वतत्वं शोधयामि

इसके मूल में बीज मंत्र हैं। हर बीज मंत्र की अपार शक्ति है। पूरी दुर्गा सप्तशती में सवा सौ से भी अधिक बीज मंत्र हैं। प्रसिद्ध बीजमंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं' हैं। यह बीज मंत्र हमारे शरीर के तीन अवयव मन-बुद्धि-विवेक को नियंत्रित करता है। हर मंत्र की स्तंभन शक्ति है, जो शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य करती है।

नवरात्रि में बीज मंत्रों से भी पूजा हो सकती है। यदि विधि-विधान से पूजा करने का अवसर नहीं मिले, तो बीज मंत्रों के माध्यम से देवी की आराधना हो सकती है। ये समस्त बीज मंत्र आत्मबल वृद्धिकारक और शोधन के हैं। कुछ बीज मंत्र इस प्रकार हैं- ऊंदुं दुर्गायै नम-, ऊं श्रीं क्लीं ह्रीं, ऊं श्रीं श्रीं क्लीं हूं, ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे, भ्रां भ्रीं भ्रूं आदि। इनमें से किसी भी एक मंत्र को सामर्थ्य के अनुसार पढ़ा जा सकता है।

- देवी पूजा का एक क्रम बताया गया है, जैसे गुरु, गणपति, शिव, दुर्गा (देवी क्रमों में पहले पार्वती, फिर महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी), नारायण भगवान और अंत में नवग्रह शांति।
- देवी कवच, अर्गलास्तोत्र व कीलकम का खाली पाठ न करें। साथ में दुर्गा सप्तशती का पांचवां, आठवां,सप्तश्लोकी दुर्गा या सिद्धकुंजिका का पाठ करें। सिर्फ अर्गलास्तोत्र का पाठ कर सकते हैं, पर कवच व कीलक के साथ एक पाठ अतिरिक्त करना होगा।
- एक मंत्र ही नौ दिन जप करें। नौ दिन तीन काल-तीन सिद्धकुंजिका स्तोत्र के पाठ से नौ देवियों, दश महाविद्या व षोड्श माताओं की पूजा एक साथ हो जाएगी।

नवरात्रि पर ये हैं कलश स्थापना के शुभ चौघड़िया और अभिजीत मुहूर्त

शुभफल प्राप्ति के लिए इस लग्न में करें घटस्थापना

मां भगवती को पूजने ,मनाने, एवं शुभ कृपा प्राप्त करने का सबसे उत्तम समय आश्विन शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा से नवमी तक होता है। आश्विन मास में पड़ने वाले इस नवरात्र को शारदीय नवरात्र कहा जाता है। इस नवरात्र की विशेषता है कि हम घरों में कलश स्थापना के साथ-साथ पूजा पंडालों में भी स्थापित करके मां भगवती की आराधना करते हैं।

उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक ज्योतिर्विद पं दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली ने बताया कि इस शारदीय नवरात्र आश्विन शुक्ल पक्ष की उदय कालिक प्रतिपदा तिथि 17 अक्टूबर दिन शनिवार से शुरू हो रहे हैं । प्रतिपदा तिथि को माता के प्रथम स्वरूप शैल पुत्री के साथ ही कलश स्थापना के लिए भी अति महत्वपूर्ण दिन होता है। कलश स्थापना या कोई भी शुभ कार्य शुभ समय एवं तिथि में किया जाना उत्तम होता है। इसलिए इस दिन कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त पर विचार किया जाना अत्यावश्यक है।

अभिजीत मुहूर्त सभी शुभ कार्यों के लिए अति उत्तम होता है। जो मध्यान्ह 11:36 से 12:24 तक होगा।

चूंकि चित्रा नक्षत्र में कलश स्थापना प्रशस्त नहीं माना गया है। अत: चित्रा नक्षत्र की समाप्ति दिन में 2:20 बजे के बाद किया जा सकेगा।

स्थिर लग्न कुम्भ दोपहर 2:30 से 3:55 तक होगा साथ ही शुभ चौघड़िया भी इस समय प्राप्त होगी अत: यह अवधि कलश स्थापना हेतु अतिउत्तम है।

दूसरा स्थिर लग्न वृष रात में 07:06 से 09:02 बजे तक होगा परंतु चौघड़िया 07:30 तक ही शुभ है अत: 07:08 से 07:30 बजे के बीच मे कलश स्थापना किया जा सकता है।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत- कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत- इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

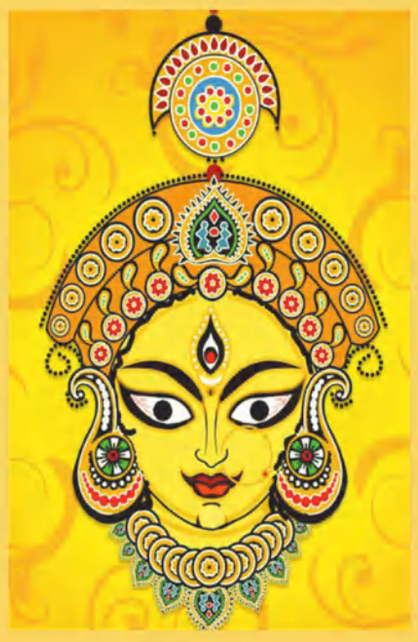

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्नम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

एयर इंडिया पर अंतिम फैसला जल्द

रिजर्व प्राइस 15000 से 20 हजार करोड़ रुपए रहने की संभावना

नई दिल्ली । सार्वजनिक एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया पर सरकार जल्द अंतिम फैसला लेने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया की घर-वापसी हो सकती है। कंपनी के संस्थापक टाटा ग्रुप ने दूसरे दावेदार से ज्यादा बोली लगाई है। होड़ में स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह की कंसॉर्टियम भी शामिल है।

सूत्रों के मुताबिक, कंपनी की बिक्री को अंतिम मंजूरी हफ्तेभर में मिल सकती है। इसका जिम्मा गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई वाली वरिष्ठ मंत्रियों की समिति को दिया गया है। इस हफ्ते हुई सचिवों की समिति की बैठक में रिजर्व प्राइस तय किया गया था। इसके 15000 से 20000 करोड़ रुपए के बीच होने की संभावना है। पता चला है कि टाटा ग्रुप की बोली रिजर्व प्राइस से ज्यादा और अजय सिंह की अगुवाई वाले कंसॉर्टियम से बहुत ज्यादा है। एयर इंडिया किसके हाथों में जाएगी, इस पर अंतिम फैसला के लिए हुई व्यवस्था के तहत मंत्रियों का समूह करेगा। मंत्रियों की समिति की बैठक हफ्तेभर में कराने की कोशिश हो रही है और बिक्री की प्रक्रिया इसी महीने पूरी होने की उम्मीद की जा रही है। एयर इंडिया की बिक्री का फैसला करने वाली मंत्रियों की समिति में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं।

21 साल पहले भी टाटा ग्रुप ने लगाई थी बोली

घाटे में चल रही एयर इंडिया को पिछले 20 साल में कई बार बेचने की कोशिश हुई, लेकिन निवेशकों के दिलचस्पी नहीं दिखाने सहित कई वजहों से सरकार को कामयाबी नहीं मिल पाई। लगभग 21 साल पहले तत्कालीन विनिवेश मंत्री अरुण शौरी को कंपनी में स्टेक बेचने का प्लान छोड़ना पड़ गया था। तब सिंगापुर एयरलाइंस ने टाटा ग्रुप के साथ मिलकर कंपनी में 40 फीसदी स्टेक खरीदने के लिए बोली लगाई थी, लेकिन फिर अपने कदम पीछे खींच लिए थे। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने उस खबर को गलत बताया जिसके मुताबिक बिड के विनर का नाम तय कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस पर फैसला जल्द किया जाएगा। डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट के सेक्रेटरी तुहीन कांत पांडेय ने ट्वीट में कहा, एयर इंडिया के विनिवेश मामले में बोली को सरकार से मंजूरी मिलने वाली खबरें गलत हैं। सरकार जब भी फैसला लेगी, मीडिया को जानकारी दी जाएगी।

नए मालिक को देश व विदेश में लैंडिंग-पार्किंग स्लॉट मिलेंगे

एयर इंडिया के नए मालिक को घरेलू हवाईअड्डों पर 4400 घरेलू और 1800 विदेशी लैंडिंग और पार्किंग स्लॉट जबकि विदेशी एयरपोर्ट पर 900 स्लॉट मिलेंगे। गौरतलब है कि टाटा एयर सर्विस के नाम से चल रही कंपनी का 1953 में सरकारीकरण किया गया था। कंपनी की पहली फ्लाइट 15 अक्टूबर 1932 को जे आर डी टाटा कराची से मुंबई लेकर आए थे।

सितंबर में रोजगार में 85 लाख की वृद्धि

बेरोजगारी दर घटकर 6.9 प्रतिशत रही

मुंबई। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी सीएमआईई ने कहा कि सितंबर में रोजगार में 85 लाख की वृद्धि हुई, जिससे महीने के दौरान बेरोजगारी दर घटकर 6.9 प्रतिशत हो गई। इनमें वेतनभोगी नौकरियों में वृद्धि की प्रधानता रही।

सीएमआईई के एमडी और सीईओ महेश व्यास ने अपने विश्लेषण में कहा, महीने के दौरान नौकरियों में 85 लाख की वृद्धि हुई। बेरोजगारी दर अगस्त के 8.3 प्रतिशत से घटकर सितंबर में 6.9 प्रतिशत रह गई, जो 20 महीनों में या मार्च 2020 में कोविड19 के प्रकोप के बाद से सबसे अधिक है। श्रम भागीदारी दर 40.5 प्रतिशत से बढ़कर 40.7 प्रतिशत हो गई और रोजगार दर 37.2 प्रतिशत से बढ़कर 37.9 प्रतिशत हो गई। विश्लेषण में कहा गया है कि सितंबर में रोजगार में वृद्धि की सबसे अच्छी बात वेतनभोगी नौकरियों में वृद्धि रही। इनमें 69 लाख की वृद्धि हुई है। वेतनभोगी नौकरियों में रोजगार सितंबर में बढ़कर 8.41 करोड़ हो गया, जो अगस्त में 7.71 करोड़ था। सभी प्रमुख व्यवसाय समूहों में वेतनभोगी नौकरियों में सबसे बड़ी वृद्धि देखी गई। सितंबर में यह बड़ी छलांग वेतनभोगी नौकरियों को 2019-20 के उनके औसत के सबसे करीब लाती है, जो कि 8.67 करोड़ थी।

लाइसेंस शुल्क पर ब्याज दरों का सरलीकरण

दूरसंचार विभाग का नियमों में संशोधन

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने लाइसेंस शुल्क के विलंब से भुगतान पर ब्याज दरों को सुसंगत करने के लिए लाइसेंस शुल्क नियमों में संशोधन किया है। इस कदम से दूरसंचार क्षेत्र से वित्तीय बोझ कम हो सकेगा और कारोबार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा। विभाग अब लाइसेंस शुल्क या किसी अन्य सांविधिक बकाये के भुगतान में देरी के लिए भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई की एक साल की कोष की सीमांत लागत एमसीएलआर के ऊपर दो प्रतिशत का ब्याज लेगा।

ब्याज का संयोजन सालाना आधार पर किया जाएगा। अभी तक दूरसंचार कंपनियों को एसबीआई के एक साल के एमसीएलआर के ऊपर चार प्रतिशत का ब्याज देना होता था। ब्याज का संयोजन मासिक आधार पर किया जाता था। संशोधन में कहा गया है कि लाइसेंस शुल्क या किसी अन्य बकाया के भुगतान में देरी पर एसबीआई के एक साल के एमसीएलआर वित्त वर्ष की शुरुआत से के ऊपर दो प्रतिशत ब्याज लिया जाएगा। विभाग ने लाइसेंस शुल्क की उस धारा को भी हटा दिया है जिसके तहत दूरसंचार कंपनियों से लाइसेंस शुल्क के कम भुगतान पर भुगतान राशि में कमी के 50 प्रतिशत के बराबर ब्याज वसूला जाता था। लाइसेंस शुल्क की भुगतान राशि कुल बकाया के 10 प्रतिशत से अधिक रहने पर यह जुर्माना लगाया जाता था। ये संशोधन एक अक्टूबर से प्रभाव में आए हैं। यह कदम सरकार द्वारा सितंबर, 2021 में घोषित दूरसंचार सुधारों के तहत उठाया गया है। उच्चतम न्यायालय द्वारा समायोजित सकल राजस्व एजीआर पर सरकार के रुख को उचित ठहराए जाने के बाद पुराने नियमों की वजह से मौजूदा दूरसंचार कंपनियां दबाव में थीं।

विदेशी मुद्रा भंडार 99.7 करोड़ घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 99.7 करोड़ डॉलर कम होकर लगातार तीसरे सप्ताह गिरते हुए 638.64 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 1.47 अरब डॉलर घटकर 639.6 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 24 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.25 अरब डॉलर कम होकर 576.73 अरब डॉलर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 32.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 37.43 अरब डॉलर पर रहा। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार एसडीआर 5.5 करोड़ डॉलर घटकर 19.38 अरब डॉलर पर रहा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 1.3 करोड़ डॉलर कम होकर 5.1 अरब डॉलर रह गया।

आयकर संशोधन कानून लागू

पूर्व तिथि से कराधान समाप्त करने वाला कानून

नई दिल्ली । देश में पूर्व तिथि से कराधान व्यवस्था को समाप्त करने वाले आयकर कानून में संशोधन को राष्ट्रपति के अनुमोदन के साथ अधिसूचित कर दिया गया, जिसकी शर्तों के तहत कंपनियों को भारत या विदेश में किसी भी कानूनी मुकदमे, मध्यस्थता, सुलह या मध्यस्थता को अपरिवर्तनीय रूप से वापस लेना या बंद करना होगा। अधिसूचना के अनुसार, कानून में कंपनियों के लिए नौ शर्तें निर्धारित की गई हैं।

इनमें से छह शर्तें बताती हैं कि संबंधित कंपनियां भारत या विदेश में किसी भी कानूनी मुकदमे, मध्यस्थता, सुलह या मध्यस्थता को अपरिवर्तनीय रूप से वापस ले लेंगी, बंद कर देंगी और उस पर न ही आगे बढ़ेंगी। देश में उनके सभी सहयोगियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती को लागू करने या आगे बढ़ाने के लिए कार्यवाही वापस लेनी होगी। वहीं, दो शर्तें भविष्य में संभावित मुकदमों से निपटने के लिए एक ढांचा से संबंधित हैं, साथ ही अंतिम शर्त सार्वजनिक घोषणा है। संबंधित कंपनी को यह सूचित करने के लिए एक सार्वजनिक नोटिस या एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करनी होगी कि कोई भी दावा अब अस्तित्व में नहीं है और न ही किए गए किसी भी दावे के खिलाफ क्षतिपूर्ति का कोई वजूद है। यह नियम किसी भी विभाग, एजेंसी, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी या देश की किसी भी अन्य इकाई के रूप में परिभाषित करते हैं, जिसका स्वामित्व प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत या किसी अन्य देश या क्षेत्र से बाहर है।

शर्तें पूरी होने पर चुकाई गई राशि होगी वापस

एक बार ये शर्तें पूरी हो जाने पर सरकार कंपनियों द्वारा चुकाई गई कर की राशि वापस कर देगी। अधिसूचना में कहा गया है कि इच्छुक कंपनी को नियमों के शुरू होने की तारीख यानी 01 अक्टूबर से 45 दिनों के भीतर फॉर्म एक में अंडरटेकिंग जमा करनी होगी। इसके बाद कराधान प्राधिकरण के पास आदेश निर्गत करने और फॉर्म एक में प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए 15 दिन का समय होगा। इस फॉर्म की प्राप्ति की तारीख से संबंधित कंपनी के पास मुकदमे को वापस लेने और फॉर्म तीन के माध्यम से विभाग को सूचित करने के लिए दो महीने का समय होगा। इसके आधार पर प्रधान आयुक्त या आयुक्त फॉर्म चार में निर्देश जारी करेंगे कि कर मांग आदेश कभी पारित नहीं हुए माने जाएंगे।

बाजार समीक्षा उद्योग पर भारी पड़ रहा चीनी व इंडोनेशियाई आयात

स्टेनलेस स्टील उद्योग फिर संकट में

नई दिल्ली। गत वर्ष स्टेनलेस स्टील आयात में 177 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई। इसमें से ज्यादातर चीन और इंडोनेशिया से आयात किया गया है। इससे घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग फिर संकट में पड़ गया है। सेल के पूर्व चेयरमैन और पीएचडीसीसीआई के मेटल्स और मिनरल्स कमेटी के चेयरमैन अनिल कुमार चौधरी का कहना है कि आयातित स्टेनलेस स्टील से घरेलू उद्योग पर संकट के बादल छा गए हैं।

इस दुष्प्रभाव से बचने के लिए सरकार को तत्काल उपाय करने चाहिए। भारत स्टेनलेस स्टील का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। इसकी कुल क्षमता हर साल 50 लाख टन स्टेनलेस स्टील बनाने की है, जो देश की जरूरत के लिए पर्याप्त है। स्टेनलेस स्टील में 12 फीसदी उपयोग निर्माण व संरचना में होता है, 13 फीसदी वाहनों, रेलवे और परिवहन क्षेत्र में, 30 फीसदी उपयोग पूंजीगत सामानों में एवं 44 फीसदी उपयोग ड्यूरेबल्स तथा घरेलू बर्तन में होता है। इसके अलावा एक फीसदी स्टेनलेस स्टील का उपयोग अन्य कार्यों में भी होता है।

स्टेनलेस स्टील पर्यावरण के लिहाज से काफी मददगार व सहायक होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह इसमें निम्न उत्सर्जन फुट प्रिंट होता है। यह दोबारा उपयोग के योग्य होता है और इसका कम रख.रखाव करना होता है। यह ज्यादा चलता है और ज्यादा लाभ देता है। भारतीय स्टेनलेस स्टील उद्योग की सहायता के लिए इस्पात मंत्रालय के नेतृत्व में भारत सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उद्योग को बड़ी मुश्किल का सामना तब करना पड़ा था जब आयात पांच लाख टन का निशान पार कर गया था। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान वार्षिक खपत का करीब 20 फीसदी स्येनलेस स्टील का आयात किया गया था।

सितंबर में 4 फीसदी गिरे सोने के दाम, खरीदी का बेहतर अवसर

इंदौर। सोने के दाम सितंबर में एमसीएक्स पर करीब 4 पर्सेंट की गिरावट दर्ज करा गए, जबकि अगस्त में सोना 2.1 पर्सेंट गिरा था। समीक्षकों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सोने के दाम 1750 डॉलर प्रति औंस के नीचे कारोबार करने तक दबाव में बनी रहेगी। हालांकि आगे त्योहार के सीजन के लिए सोने की खरीदी का यह बेहतर अवसर है। जानकारों ने कहा कि सोने को 1680 डॉलर के भाव पर मजबूत सपोर्ट हासिल है। ऐसे में सोने की कीमतों में किसी भी बड़ी गिरावट को निवेशक खरीदारी के मौके के रूप में देख सकते हैं। गोल्ड कमोडिटी एक्सपर्ट के मुताबिक डॉलर में बढ़त से सोने की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक स्तर पर महंगाई में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। महंगाई में यह तेजी फेडरल रिजर्व को बॉन्ड की खरीदारी से हाथ खींचने के हालिया फैसले पर पुनर्विचार को मजबूर कर सकती है। ऐसे में कच्चे तेल की बढ़ते दाम से अक्टूबर 2021 के दूसरे पखवाड़े में सोने में जारी गिरावट का दौर थम सकता है। वहीं भारत में फेस्टिव सीजन में सोने की मांग बढ़ने की उम्मीद है। यह सोने के लिए के पॉजिटिव आउटलुक है। गोल्ड कमोडिटी एक्सपर्ट ने बताया, अक्टूबर के पहले पखवाड़े में एमसीएक्स पर सोना 45000 से 45500 तक गिर सकता है, क्योंकि इस अवधि में डॉलर मजबूत रह सकता है।

कंपनियों की ऋण स्थिति में मजबूत सुधार

मुंबई। कोविड19 महामारी की भयावह दूसरी लहर के बावजूद भारतीय कंपनियों की ऋण स्थिति में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान मजबूत सुधार देखा गया। ज्यादातर रेटिंग कंपनियों ने भारतीय कम्पनियों में गिरावट की बजाय सुधार दर्शाया। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार कॉरपोरेट कंपनियों की स्थिति में सुधार मांग में तेजी और निरंतर सुधार को दर्शाती है। देश की तीन घरेलू रेटिंग एजेंसियों क्रिसिल रेटिंग्स, इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च और इक्रा रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन को लेकर अपनी-अपनी रिपोर्ट जारी की। क्रिसिल रेटिंग के अनुसार अप्रैल-सितंबर 2021 के बीच उसका ऋण अनुपात बढ़कर 2.96 गुना हो गया, जिसमे से 488 में सुधार और 105 में गिरावट हुई।

कच्चे जूट की जमाखोरी पर लगेगी लगाम

सरकार ने तय की अधिकतम कीमत

कोलकाता । केंद्र ने कच्चे जूट की जमाखोरी को रोकने के लिए पश्चिम बंगाल में इसकी दो किस्मों की अधिकतम कीमत 6500 रुपए प्रति क्विंटल तय की है। कच्चे जूट को बाजार में 7200 रुपए या उससे अधिक कीमत में बेचा जा रहा है, इसलिए सरकार ने यह कदम उठाया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह मूल्य सीमा जून 2022 तक प्रभावी रहेगी। एक अधिकारी ने कहा, कच्चे जूट की कीमत 7200 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचने के बाद इस क्षेत्र के नियामक जूट आयुक्त ने जमाखोरी को हतोत्साहित करने के लिए कच्चे जूट टीडीएन3 और डब्ल्यूएन3 किस्मोंद्ध की अधिकतम कीमत 6500 रुपए प्रति क्विंटल तय कर दी है। अन्य राज्यों में कच्चे जूट की अधिकतम कीमत 6800 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा जूट सत्र जुलाई-जून के लिए मूल्य नियंत्रण उपाय लागू होंगे। उद्योग के एक सूत्र ने कहा, इसका मतलब है कि सरकार जूट के बोरे की कीमत की गणना करते समय कच्चे जूट की कीमत 6500 रुपए प्रति क्विंटल को ध्यान में रखेगी।

सीमा से अधिक मूल्य होने पर जूट मिलों को नुकसान

उन्होंने कहा कि यदि कच्चे माल का बाजार मूल्य, इसकी तय की गई उच्चतम सीमा से अधिक है, तो जूट मिलों को नुकसान होगा। सूत्र ने कहा, चालू वर्ष में उत्पादन बहुत अधिक हुआ है और कई किसानों और व्यापारियों ने अबतक फसल को रोका हुआ है। इस आदेश से जिंस जमा करने की उनकी योजना प्रभावित हो सकती है। बढ़ती कीमतों के साथ सभी जूट उत्पादक जिलों के स्थानीय व्यापारियों ने भविष्य में उच्च कीमत पर इस जिंस को बेचने के लिए अपने घरों में कच्चे जूट का भंडारण करना शुरू कर दिया था

धान की खरीद टलने से किसान नाराज

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों पर चल रही चर्चा के बीच पंजाब-हरियाणा के किसान केंद्र के साथ एक और लड़ाई की राह पर हैं। इस बार धान की सालाना खरीद टलने से किसान नाराज हैं। इन दो राज्यों में सामान्यतः धान की खरीद 1 अक्टूबर से शुरू हो जाती है।

लेकिन, इस साल केंद्र ने कुछ दिन पहले आदेश जारी किया है, जसमें कहा गया है कि दोनों राज्यों में 11 अक्टूबर से खरीद शुरू होगी क्योंकि इस साल देर तक चली बारिश के कारण धान में नमी की मात्रा अनुमति प्राप्त सीमा की तुलना में काफी ज्यादा है। बहरहाल, किसान नेताओं ने इसे सरकार का मनमाना फैसला करार दिया है, क्योंकि तमाम जगहों पर किसानों ने पहले ही अपना धान मंडियों में लाना शुरू कर दिया था, जिससे खरीद हो सके। अब उन्हें खरीद शुरू होने के लिए 10 दिन इंतजार करना पड़ेगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस फैसले को एक मजाक करार देते हुए कहा कि तमाम किसान पहले ही राज्य की मंडियों में धान लेकर पहुंच गए हैं और अब वह पूछ रहे हैं कि अब इसे लेकर कहां जाएं और क्या करें। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने दत दिवस शुक्रवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लंबी मुलाकात कर खरीद में देरी का मसला उठाया और उन्हें इस मसले के जल्द समाधान का आश्वासन दिया गया है।

कोल इंडिया का उत्पादन बढ़कर 4.7 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया का कोयला उत्पादन सितंबर में मामूली रूप से बढ़कर 4.7 करोड़ टन रहा। कोल इंडिया के उत्पादन में ऐसे समय बढ़ोतरी हुई है जब देश के तापीय बिजलीघर कोयले की कमी से जूझ रहे हैं। कोल इंडिया लिमिटेड का सितंबर 2020 में कोयला उत्पादन 4.5 करोड़ टन था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान कोल इंडिया का उत्पादन 5.8 प्रतिशत बढ़कर 24.98 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 23.6 करोड़ टन था। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का हिस्सा करीब 80 प्रतिशत है।

यूपीआई से लेनदेन 6.54 लाख करोड़ पहुंचा

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने दी जानकारी

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम एनपीसीआई के भुगतान प्लेटफॉर्म यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यूपीआई के माध्यम से सितंबर में 3.65 अरब ट्रांजेक्शन के जरिये 6.5 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को ट्वीट कर बताया, एनपीसीआई के भुगतान प्लेटफॉर्म यूपीआई के माध्यम से सितंबर में 3.65 अरब ट्रांजेक्शन के जरिये 6.5 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं। यह संख्या और मूल्य दोनों के संदर्भ में यपीआई का अबतक का उच्चतम स्तर है। यह लगातार तीसरा महीना है जब यूपीआई पर तीन अरब से अधिक लेनदेन हुए हैं। यह कोरोना

महामारी के दौरान देश में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाए जाने का संकेत है। उल्लेखनीय है कि महीने-दर-महीने के आधार पर यूपीआई के लेन-देन की संख्या में तीन प्रतिशत और लेनदेन के वैल्यू में 2.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, सालाना आधार पर लेनदेन की संख्या और वैल्यू दोनों दोगुने हो गए हैं।

सेबी ने राइट इश्यू अनुपालन के लिए छूट बढ़ाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने 31 मार्च, 2022 तक खुलने वाले राइट्स इश्यू से जुड़े प्रकिया संबंधी नियमों के अनुपालन को लेकर कंपनियों के लिए छूट बढ़ा दी है। इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नॉर्म्स के अनुसार राइट इश्यू के लिए आवेदन केवल एएसबीए ऐप्लिकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि, कोविड19 महामारी के कारण और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी पात्र शेयरधारक ऐसे समय के दौरान राइट इश्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं, सेबी ने मई 2020 में कहा था कि इश्यू जारी करने वाला, इश्यू के प्रमुख प्रबंधक, रजिस्ट्रार और अन्य मान्यता प्राप्त बिचौलियों के साथ शेयरधारकों के आवेदनों को स्वीकार करने के लिए एक वैकल्पिक तंत्र केवल गैर नकद माध्यम स्थापित करेगा। ऐसा यह सुनिश्चित करने के अधीन होगा कि किसी भी आवेदन के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के भुगतान की अनुमति नहीं दी जाएगी।

आमने-सामने जी और निवेशक

पुनीत गोयनका को पद से हटाने के पक्ष में नहीं जी एंटरटेनमेंट

मुंबई । जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज निवेशक इनवेस्को और ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड एलएलसी के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट चली गई है। ये दोनों कंपनियां जी के मैनेजिंग डायरेक्टर पुनीत गोयनका को हटाने समेत कई मसलों पर चर्चा करने के लिए बुलाने की मांग कर रहे थे। जी एंटरटेनमेंट का कहना है कि पुनीत गोयनका को एमडी पद से हटाने की मांग गलत है। एनसीएलटी के आदेश के बाद जी एंटरटेनमेंट ने बोर्ड की मीटिंग बुलाई। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में जी एंटरटेनमेंट ने कहा कि कंपनी और शेयरधारकों के हित में वह ईजीएम नहीं बुलाएगी। बोर्ड ने कहा कि उसने इस बारे में कानूनी सलाह ली है और उसी आधार पर काम करेगी। जी ने कहा कि गोयनका इंट्रेस्टेड पार्टी हैं। उन्होंने बोर्ड मीटिंग अटेंड नहीं की। एनसीएलटी में इस मैटर की सुनवाई 4 अक्टूबर को होनी है। कानूनी जानकार कहते हैं कि अगर शेयरधारकों ने इन्वेस्को का साथ दिया तो पुनीत गोयनका की छुट्?टी ईजीएम में तय है। अगर ऐसा हो जाता है तो सोनी पिक्चर्स के साथ जी की डील भी अटक जाएगी। हालांकि नया बोर्ड चाहे तो डील कर भी सकता है या नहीं भी कर सकता है, यह फैसला नए बोर्ड को लेना होगा। नियम के अनुसार, अगर कोई कंपनी किसी कंपनी में 10 फीसदी से ज्यादा की निवेशक है और वह ईजीएम बुलाने के लिए नोटिस देती है, तो कंपनी को तीन हफ्ते के अंदर ईजीएम बुलानी होती है।

इन्वेस्को की 18 फीसदी हिस्सेदारी

जी एंटरटेनमेंट में इन्वेस्को की 18 फीसदी के करीब हिस्सेदारी है। इन्वेस्को ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस का मुद्दा उठाते हुए ईजीएम बुलाने की मांग की थी। इन्वेस्को ने पहले 11 सितंबर को ईजीएम के लिए नोटिस दिया था। जी को यह नोटिस 12 सितंबर को मिला था। इसके अनुसार जी को 2 अक्टूबर तक ईजीएम बुलाने की घोषणा करने का समय है। यदि जी एंटरटेनमेंट ईजीएम की तारीख घोषित करने में फेल होती है तो इन्वेस्को खुद मीटिंग की तारीख घोषित कर सकती है।

एथेनॉल प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए कदम उठाने का फैसला

नई दिल्ली। पेट्रोल की कीमतों में कमी के लिए सरकार लंबे समय से एथेनॉल ब्लेंडिंग की कोशिश कर रही है। इस बीच सरकार ने एथेनॉल प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है।

सरकार ने चीनी मिलों को एथनॉल के लिए गन्ने का उपयोग को बढ़ावा देने को लेकर प्रोत्साहन की घोषणा की। इसके तहत इस महीने से एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का हस्तांतरण करने वाली चीनी मिलों को उनके नियमित कोटे के अलावा मासिक बिक्री के लिए हस्तांतरित गन्ने की मात्रा के बराबर चीनी कोटा का आबंटन किया जाएगा।देश में चीनी की मांग.आपूर्ति की स्थिति को बनाए रखने, चीनी की पूव-मिल कीमतों को स्थिर करने व खपत के लिए पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार जून 2018 से मिल-वार मंथली चीनी कोटा तय कर रही है। चीनी कोटा मौजूद स्टॉक, निर्यात प्रदर्शन और चीनी के एथनॉल में बदलने के आधार पर तय किया जाता है। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने कहा बी-हेवी मोलेसेज गन्ना के रस-चीनी, सिरप-चीनी से एथनॉल के उत्पादन के लिए उपयोग किये गये प्रोत्साहन उनके मासिक रिलीज कोटा में अक्टूबर 2021 से दोगुना कर दिया गया है। यह एथनॉल उत्पादन के लिए अतिरिक्त गन्ना-चीनी का उपयोग करने वाले चीनी मिलों को प्रोत्साहित करने तथा पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण कार्य क्रमश् के अनुरूप पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए के लिए किया गया है।

शेफाली वर्मा की शानदार फिफ्टी, भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच डे-नाइट टेस्ट ड्रॉ पर खत्म

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के शानदार फिफ्टी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 272 रन का लक्ष्य दिया. इसके जवाब में मेजबान टीम चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 36 रन ही बना पाई और क्वींसलैंड के करारा ओवल खेला जा रहा इकलौता डे-नाइट टेस्ट ड्रॉ पर खत्म हुआ.

शेफाली की तीसरी टेस्ट फिफ्टी

शेफाली वर्मा टीम इंडिया की दूसरी पारी में 91 गेंदों में शानदार 52 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने 6 चौके जड़े. शेफाली को जॉर्जिया वेयरहैम 34वें ओवर में एलबीडब्यू आउट करते हुए पवेलियन भेज दिया. ये शेफाली के टेस्ट करियर का तीसरा अर्धशतक है.

मंधाना को मिला शतक लगाने का इनाम

स्मृति मंधाना को उनकी शानदार शतकीय पारी की बदौलत 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड से नवाजा गया. स्मृति ने 171 गेंदों पर अपनी सेंचुरी पूरी की. मंधाना ने 216 गेंदों में 127 रन बनाए. इस पारी के दौरान उन्होंने 22 चौके और 1 छक्का लगाया. ये उनके टेस्ट करियर की पहला सैंकड़ा था.

ड्रॉ पर खत्म हुआ पिंक बॉल टेस्ट

भारत ने अपनी पहली पारी 377/8 के स्कोर पर घोषित कर दी थी. इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 241/9 के स्कोर पर पारी घोषित की. इस हिसाब से भारत को 136 रन की लीड मिली. भारत ने अपनी दूसरी पारी 135/3 पर घोषित की और मेजबान को 272 रन का टारगेट दिया. मैच की चौथी पारी में 15 ओवर ही फेंके जा सके और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहले डे-नाइट टेस्ट मैच में स्मृति मंधाना बनीं 'प्लेयर आफ द मैच', खेली थी दिलकश पारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ पहली बार डे-नाइट टेस्ट मैच क्वींसलैंड में खेला। इस मैच में किसी भी टीम को जीत नहीं मिली और मैच ड्रा के साथ खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय महिला टीम के इस प्रदर्शन की जितनी भी तारीफ की जाए वो कम ही है खास तौर पर इस मैच में टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने जिस तरह का जज्बा दिखाया और बल्लेबाजी की उसकी जितनी भी तारीफ की जाए वो कम है। स्मृति मंधाना को इस मैच के दौरान उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर आफ द मैच' का खिताब दिया गया। इस तरह से वो भारत की तरफ से पहली महिला डे-नाइट टेस्ट मैच में ये खिताब जीतने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं।

स्मृति मंधान ने रचा था इतिहास

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहले डे-नाइट टेस्ट मैच की पहली पारी में आस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना ने 216 गेंदों का सामना करते हुए 22 चौके व एक छक्के की मदद से 127 रन की पारी खेली थी। इस तरह से वो भारतीय महिला टेस्ट टीम की तरफ से पहले डे-नाइट टेस्ट मैच में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनीं थीं और इतिहास रचा था। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने पहली पारी में 8 विकेट पर 377 रन बनाए थे और फिर पारी की घोषणा कर दी गई थी। इसके जवाब में कंगारू महिला टीम ने पहली पारी में 9 विकेट पर 241 रन बनाए और पारी की घोषणा कर दी।

इसके बाद भारतीय महिला टीम ने इस मैच की दूसरी पारी में 135 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी थी। इस पारी में स्मृति मंधाना ने 6 चौकों की मदद से 48 गेंदों पर 31 रन की पारी खेली थी। इस पारी में शेफाली वर्मा ने भी 52 रन बनाए थे जबकि पूनम राउत 41 रन बनाकर नाबाद रही थीं। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया की टीम ने 2 विकेट खोकर 36 रन बनाए और फिर मैच ड्रा रहा। इस टेस्ट मैच में स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में मिलाकर सबसे ज्यादा रन बनाने का गौरव भी हासिल किया।

गंभीर ने फिर उगला जगह, धोनी को लेकर कह दी ये बात, फूटा फैंस का गुस्सा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर और पूर्व कप्तान एमएस धोनी के बीच सब कुछ ठीक नहीं रहता, गंभीर वक्त वक्त पर उनके बारे में कुछ बयान देकर इन अफवाहों पर सच साबित करते रहते हैं. गंभीर अपनी बात साफ साफ कहते हैं और कई बार उन्होंने धोनी को लेकर ऐसे बयान दिए हैं, जो फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आते. इस बार कुछ ऐसा ही हुआ है.

धोनी के बारे में गंभीर का चौंकाने वाला बयान

आईपीएल 2021 में केकेआर और पंजाब के बीच हुए मुकाबले के दौरान गौतम गंभीर ने धोनी को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिसके बाद माही के फैंस उनके पीछे पड़ गए हैं. कमेंट्री के दौरान ग्रीम स्वान से फिनिशर्स के रोल के बारे में बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, 'आंद्रे रसल को एक फिनिशर बताया जाता है नहीं, मुझे लगता है पिछले कुछ सालों में विराट कोहली से बेहतरीन फिनिशर कोई नहीं है फर्क इतना है कि वो तीन नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं. किसी भी खिलाड़ी को फिनिशर कह देने से वो खिलाड़ी फिनिशर नहीं बन जाता. तथाकथित फिनिशरों की तुलना में विराट कोहली के रन बनाने की तुलना कर लें'.

गंभीर पर भड़के फैंस

एमएस धोनी दुनिया के सबसे बड़े मैच विनर और मैच फिनिशर माने जाते हैं. उनके लिए गौतम गंभीर ने अपने इस बयान में तथाकथित फिनिशर शब्द का यूज किया, जिसके बाद फैंस उन पर भड़क गए हैं.

धोनी ने बतौर कप्तान पूरे किए 200 मैच

महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए 200 मुकाबलों में कप्तानी की है. ऐसा करने वाले धोनी पहले कप्तान बने हैं. धोनी की कप्तानी में चेन्नई ने 119 मुकाबलों में जीत दर्ज की है और 79 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है जबकि 1 मुकाबला बेनतीजा रहा है.

टीम इंडिया के बाद अब आईपीएल से भी खत्म होगा इस खिलाड़ी का करियर! नहीं मिलेगा मौका?

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 का घमासान जारी है. इस टूर्नामेंट में कई ऐसे क्रिकेटर्स है जिन्होंने खुद को साबित कर टीम इंडिया में अपनी जगह पक्की है. हालांकि कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिनका करियर खत्म होता हुआ दिखाई दे रहा हैं.

आईपीएल में लगातार फ्लॉप है ये खिलाड़ी

आईपीएल 2021 में केकेआर के खिलाफ मैच में एक बार फिर सीनियर विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा का बल्ला शांत रहा. साहा बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए. इतना ही नहीं इस पूरे सीजन में वो कुछ खास नहीं कर पाए हैं. उन्होंने अब तक 7 मैच खेले है जिसमें उन्होंने 119 रन बनाए हैं. उनका लगातार नाकाम होना, उसके करियर पर सवाल खड़ा कर रहा है. टीम इंडिया से तो उनका पत्ता पंत ने लगभग साफ कर दिया है और अब आईपीएल में उनका खराब प्रदर्शन उन्हें आईपीएल से भी बाहर कर सकता है.

आईपीएल 2021 के प्लेआफ में पहुंची ये 3 टीमें, इन 2 टीमों का सफर हुआ समाप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 14वें सीजन के प्लेआफ में पहुंचने वाली तीन टीमों की घोषणा हो चुकी है। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम पंजाब किंग्स मैच के बाद आइपीएल 2021 को अपनी तीसरी प्लेआफ में पहुंचने वाली टीम मिल गई है। पंजाब को 6 रन से हराकर विराट कोहली की कप्तानी वाली आरसीबी ने आइपीएल 2021 के प्लेआफ में जगह बना ली है, जबकि पंजाब किंग्स का सफर लगभग समाप्त हो चुका है।

आपको बता दें, चेन्नई सुपर किंग्स ने सबसे पहले आइपीएल 2021 के प्लेआफ के लिए क्वालीफाइ किया था और फिर दिल्ली कैपिटल्स ने प्लेआफ में जगह बनाई थी और अब रायल चैलेंजर्स बैंगलोर प्लेआफ के क्लब में शामिल हो गई है। अब चौथे पायदान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रायल्स और मुंबई इंडियंस के बीच जंग है, क्योंकि पंजाब किंग्स सिर्फ 12 अंक तक पहुंच पाएगी, जो कि प्लेआफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं होंगे। हालांकि, अभी इसका आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

क्या है प्लेआफ का सेनेरियो?

आईपीएल 2021 के सीजन के प्लेआफ के लिए अब एक स्थान बाकी है, जिसके लिए तीन टीमें लड़ाई लड़ रही हैं। सनराइजर्स हैदराबाद प्लेआफ की रेस से बाहर है, जबकि पंजाब किंग्स के भी नाममात्र चांस बाकी हैं। वहीं, राजस्थान रायल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के पास अभी भी प्लेआफ में पहुंचने का मौका है, लेकिन तीनों ही टीमों को अपने बाकी बचे दोनों-दोनों मैच जीतने होंगे और इसके बाद फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अगर टीमें एक-एक मैच भी जीतती है तो फिर पंजाब किंग्स भी रेस में बनी रहेगी, लेकिन यहां भी नेट रन रेट बेहतर होने वाली टीम बाजी मारेगी। हालांकि, पंजाब को अपना आखिरी मैच चेन्नई सुपर किंग्स खिलाफ जीतना होगा। माना जा रहा है कि आखिरी मैच तक प्लेआफ की चौथी टीम का फैसला होगा।

ग्लेन मैक्सवेल का मैदान पर दिखा तूफानी अंदाज, आईपीएल 2021 में आरसीबी के लिए ठोका लगातार तीसरा अर्धशतक

नई दिल्ली। आरसीबी के तूफानी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने आइपीएल 2021 के 48वें लीग मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी टीम के लिए फिर से बेहतरीन पारी खेली। मैक्सवेल की इस पारी के दम पर पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 164 रन बनाए। मैक्सवेल की अर्धशतकीय पारी के अलावा इस मैच में कप्तान विराट कोहली ने 25 रन, देवदत्त पडिक्कल ने 40 रन और डिविलियर्स ने 40 रन का योगदान दिया।

मैक्सवेल का अर्धशतक, लगाए चार छक्के

ग्लेन मैक्सवेल अपनी टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं खास तौर पर यूएई लेग में तो उनका बल्ला खूब चल रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने इस मुकाबले में 33 गेंदों पर 4 छक्के व 3 चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट इस पारी के दौरान 172.73 का रहा। उन्होंने इस मैच में चौथे विकेट के लिए डिविलियर्स के साथ मिलकर 73 रन की अच्छी साझेदारी की और टीम को मजबूत स्कोर की तरफ ले गए।

मैक्सवेल का इस सीजन में ये लगातार तीसरा शतक अपनी टीम के लिए था। इससे पहले के दो मैचों में भी उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैक्सी ने 56 रन की पारी खेली थी और दो विकेट भी लिए थे तो वहीं राजस्थान रायल्स के खिलाफ उन्होंने नाबाद 50 रन की पारी खेली थी और अब एक बार फिर से उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के लिए 57 रन की अहम पारी खेली। मैक्सवेल के आइपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक खेले 94 मैचों में 1912 रन बनाए हैं। उनके नाम पर अब तक एक भी शतक नहीं है जबकि इन मैचों में उन्होंने 11 अर्धशतक लगाए हैं और उन्होंने 22 विकेट भी लिए हैं। मैक्सी के नाम पर इस लीग में अब तक 154 चौके व 110 छक्के भी दर्ज हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या के खेलने पर आया बड़ा अपडेट, खुद बताई सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. हार्दिक पांड्या इन दिनों यूएई में चल रहे आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं. इस सीजन में हार्दिक का बल्ला शांत रहा है. ञ20 वर्ल्ड कप में हार्दिक के खेलने को लेकर काफी खबरें आ रही हैं कि पांड्या को ञ20 टीम से बाहर किया जा सकता है. खुलासा करते हुए हार्दिक ने यह बताया कि वह कब गेंदबाजी करेंगे.

पांड्या ने बताया कब करेंगे गेंदबाजी

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मुकाबले में मुंबई इंडियंस को फिर हार का सामना करना पड़ा. हार्दिक पांड्या ने इस मुकाबले में भी गेंदबाजी नहीं की. पांड्या ने अपनी गेंदबाजी पर अपडेट देते हुए कहा है कि वह पूरी कोशिश कर रहे हैं और जल्द ही गेंदबाजी करते नजर आएंगे. आपको बता दें कि हार्दिक पांड्या ने इस पूरे आईपीएल सीजन में अभी तक एक भी मुकाबले में गेंदबाजी नहीं की है और बल्लेबाजी में भी कुछ खास नहीं किया है. ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे थे कि अगर यही स्थिति रही तो हार्दिक को वर्ल्ड कप टीम से बाहर किया जा सकता है.

खुद का आत्मविश्वास बढ़ा है - हार्दिक पांड्या

पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मुकाबले में हार्दिक पांड्या ने 40 रनों की पारी खेली थी. हार्दिक ने कहा कि इस पारी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है, क्योंकि रन बनाने से ही आत्मविश्वास बढ़ता है. मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबला जीता था लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुंबई 4 विकेट से हार गई थी. मुंबई अंकतालिका में सातवें पायदान पर है. अगर मुंबई को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो आने वाले दोनों मुकाबले जीतने होंगे.

मुंबई के कोच दे चुके हैं हार्दिक को लेकर बयान

हार्दिक पांड्या की फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने बताया था कि हम उनको गेंदबाजी करने के लिए जबरदस्ती नहीं बोल सकते. कुछ दिनों बाद ही ञ20 वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है तो ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. इससे पहले ञ20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में हार्दिक पांड्या को जगह देने पर चयनकर्ता चेतन शर्मा ने कहा था कि हार्दिक पांड्या पूरी तरह से फिट हैं और गेंदबाजी के लिए भी तैयार हैं.

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का तगड़ा प्लान! इस दिग्गज का खुलासा

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान 24 अक्टूबर को यूएई में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से भिड़ेगा. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने कहा है कि आईसीसी टी 20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम की आलोचना नहीं की जानी चाहिए. न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के दौरे रद्द होने के बाद देश के क्रिकेट को लेकर नकारात्मकता के मद्देनजर को रखते हुए पाकिस्तान के क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है.

पाक क्रिकेट पर बोले गुल

उमर गुल ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि (टी20 विश्व कप) टीम की घोषणा के बाद से काफी आलोचना हुई है. मुझे लगता है कि हमें टीम की आलोचना करनी चाहिए लेकिन खिलाड़ियों के नाम का जिक्र नहीं करना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के पाकिस्तान के दौरे रद्द होने के बाद से हमारा क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा है. यह खिलाड़ियों का मनोबल गिराने के बजाय उनका समर्थन करने का समय है.

खिलाड़ियों का साथ दें: गुल

400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले 37 वर्षीय पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि क्रिकेटरों को भी आलोचना को दिल से नहीं लेना चाहिए और क्षमता से प्रदर्शन करते रहना चाहिए.

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों को भी दबाव में आने के बजाय इस आलोचना को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए. मैंने भी ऐसा ही किया. जब मैंने अपने करियर के दौरान ऐसी स्थिति का सामना किया और मैदान पर अपने प्रदर्शन के माध्यम से अपने आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की. चल रहे राष्ट्रीय टी 20 कप खिलाड़ियों के लिए अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने का भी अच्छा मौका है.

दबाव नहीं लेना है: गुल

भारत के खिलाफ उच्च दबाव वाले मैच से पहले टीम पर अतिरिक्त दबाव पर गुल ने कहा, 'भारत मैच का अतिरिक्त दबाव है क्योंकि पूरा देश चाहता है कि आप उन्हें हराएं. मेरा सुझाव है कि खिलाड़ियों को अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिए. खिलड़ियों को दबाव को अपने उपर नहीं हावी होने देना चाहिए क्योंकि यह एक हाई-वोल्टेज मैच है. मैं यह भी सलाह दूंगा कि दो से तीन दिन पहले

खासकर भारत के मैच के दौरान, खिलाड़ियों को सोशल और पारंपरिक मीडिया से बचना चाहिए.

9 साल से टी20 में भारत से नहीं जीता पाकिस्तान

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 में अब तक कुल 8 मुकाबले हुए हैं, जिसमें से टीम इंडिया ने 7 में जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान ने महज एक मुकाबले में जीत दर्ज की. बता दें कि पाकिस्तान को भारत पर आखिरी बार जीत साल 2012 में मिली थी. ऐसे में पाकिस्तान की टीम 9 साल से भारत पर जीत के लिए तरस रही है.

यशस्वी जायसवाल ने 19 गेंद में जड़े 50 रन, विराट भैया की सलाह काम आयी

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल आईपीएल 2021 में एक बार 49 रन बना चुके थे लेकिन आईपीएल 2021 में अपना पहला अर्धशतक बनाने से चूक रहे थे। पिछले मुकाबले में उन्होंने कहा था कि उन्होंने विराट कोहली से लंबी पारी खेलने की सलाह ली थी। आज वह बहुत लंबी पारी तो नहीं पर कम गेंदो पर उपयोगी अर्धशतक बना पाए। बुधवार को आरसीबी के हाथों हार के बाद रॉयल्स के कई युवा खिलाड़ियों ने कोहली से लंबी बातचीत की। इनमें जायसवाल भी शामिल थे।राजस्थान रॉयल्स ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें जायसवाल ने कहा था, ''मैं जानना चाहता था कि बड़े स्कोर कैसे बनाने हैं। मैंने विराट भैया से इसी बारे में बात की जैसे कि मैं प्रभाव कैसे छोड़ूं और अपनी टीम की मदद कैसे कर सकता हूं।''आज उनके विराट भैया की सलाह काम आयी और उन्होंने अपने करियर का पहला आईपीएल अर्धशतक पूरा किया।

वर्ष 2025 तक बिहार में खुल जाएंगे 29 मेडिकल कॉलेज : मंगल पांडेय

किशनगंज, 03 अक्टूबर (नि.सं.)। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से सूबे की स्वास्थ्य सेवा को लगातार बेहतर बनाने का प्रयास चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री के रुप में कार्यकाल का पांचवा वर्ष चल रहा है। इन पांच वर्षों में जिले में स्वास्थ्य सेवा की आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विकास हुआ है। पांच वर्षों के कार्यकाल का आंकड़ा पेश करते मंत्री ने कहा कि किशनगंज जिले में पिछले पांच वर्षों के अंदर 42.19 करोड़ रुपए का काम हुआ है। 41 योजनाओं में यह राशि खर्च की गयी है। इसके अलावे पांच बड़े प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। जिस पर 36.09 करोड़ खर्च होने हैं।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि पूरे राज्य में चिकित्सा सेवा के साथ चिकित्सा शिक्षा भी कैसे बेहतर हो इस पर काम किया जा रहा है। शिक्षा सेवा में सबसे जरुरी है मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना। आजादी के बाद से वर्ष 2005 तक राज्य में केवल आठ मेडिकल कॉलेज थे। आज की तारीख में यहां 18 मेडिकल कॉलेज हैं। अगले चार सालों में इसकी संख्या बढ़कर 29 हो जाएगी। आजादी के बाद 2005 यानि 58 वर्षों में राज्य में सिर्फ 8 मेडिकल कॉलेज थे। किशनगंज जिले के दो दिवसीय दौरे पर रविवार को पटना से राजधानी एक्सप्रेस से पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्री पांडेय ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज में आयोजित प्रेस वार्ता में ये बातें कही। प्रेस वार्ता में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के निदेशक सह विधान पार्षद डा. दिलीप कुमार जायसवाल, समाजसेवी रामावतार जलान भी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि वर्ष 2005 से 2025 के बीच 29 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। इनमें दस तैयार हो गए हैं और चल रहे हैं। मेडिकल कॉलेज बढ़ाने का मकसद है कि हमारे पास डाक्टरों की संख्या बढ़े। डाक्टर मेडिकल कॉलेज से ही निकलते हैं। प्रधानमंत्री का निर्देश है कि देश के राज्यों के सभी जिलों में एक मेडिकल कॉलेज हो। इसके आलोक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि अगले चार वर्षों में हम 29 मेडिकल कॉलेज खोलने में सफल होंगे।

चिकित्सा सेवा केवल डाक्टर से ही नहीं पूरा होता है इसके अंदर नर्सिंग का भी बड़ा योगदान होता है।

डाक्टर अस्पताल में हो व नर्स नहीं हो तो स्वास्थ्य सेवा बेहतर नहीं होता है। इसलिए राज्य के अंदर नर्सिंग की पढ़ाई व परामेडिकल की पढ़ाईके लिए भी नए संस्थान खुले। आत्मनिर्भर बिहार के तहत सात निश्चय फेज व फेज टू में हमने जो निर्णय लिया उसे क्रियान्वित कर रहे हैं। नए जीएनम संस्थान, नए फार्मेसी कॉलेज खुल रहे हैं। सिर्फ हम पढ़ा नहीं रहे नौकरी देने का भी काम कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त जिले में 22 योजना की स्वीकृति स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गयी है जिसकी निविदा प्रकाशित कर दी गयी है। पिछले पांच सालों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में आधारभूत संरचनाओं के विकास पर लगभग 106 करोड़ की राशि खर्च की जा रही है। किसी भी जिले में विकास कार्य के लिए यह बहुत बड़ी राशि होती है। मंत्री श्री पांडेय ने कहा कि जिले में जो पांच बड़ी योजनाएं चल रही है उनमें 23.33 करोड़ की लागत से जीएनएम व पारामेडिकल संस्थान, ठाकुरगंज व टेढ़ागाछ में 4.71 करोड़ की लागत से सीएचसी का निर्माण, सदर अस्पताल में एएनएम ट्रेनिंग संस्थान के जीर्णोद्धार पर 2.96 करोड़ रुपए व सदर अस्पताल में 38 लाख की लागत से ऑक्सीजन गैस पाइप लाइन का काम चल रहा है। 22 योजना में 27 करोड़ का काम ग्रामीण क्षेत्रों में होना है। मुख्यमंत्री की सोच है कि ग्रामीण परिवेश में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर किया जाए। इसी पर हमलोग काम कर रहे हैं

22 योजना में जिले के चारो विधानसभा में 5-5 एचएससी व 1-1 सीएचसी बनने वाले हैं। गांवों में जो प्राथमिक व अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। उनको हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रुप में उत्क्रमित करना है और वहां नए भवनों का निर्माण करना है। गांवों से लेकर शहर तक की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने में हमलोग लगे हुए हैं। पूरे राज्य के अंदर स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। कोरोना के संकट के समय जो सबसे बड़ी परेशानी ऑक्सीजन पाइप लाइन व गैस की हुई थी उसको देखते हुए हम सभी सदर अस्पताल व अनुमंडल अस्पताल में गैस पाइप लाइन लगा रहे हैं।

90 जगहों पर ऑक्सीजन गैस ख़लांट शुरु 122 जगहों पर ऑक्सीजन गैस ख़लांट लगाने की योजना है। जिसमें तीन महीने में ही 90 जगहों पर ऑक्सीजन गैस ख़लांट शुरु कर दिया है। जहां बचे हुए हैं उसको भी हमलोग एक महीने में पूरा कर लेंगे। अब कभी राज्य में ऑक्सीजन संबंधी परेशानी आएगी तो हम उसका आसानी से मुकाबला कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त कोविड की तीसरे फेज की भी चर्चा अभी चल रही है। इसके लिए पीएम ने इमरजेंसी कोविड पैकेज-2 बनाया है। ये 23 हजार करोड़ का पैकेज हैं। जिसमें से लगभग साढ़े 13 सौ करोड़ के योजना की स्वीकृति भारत सरकार के तरफ से मिल गयी है। केंद्र व राज्य सरकार की राशि से अगले मार्च तक विभिन्न सदर अस्पतालों व अनुमंडल अस्पतालों में बेडों की संख्या बढ़ाई जाएगी। आईसीयू के बेड बच्चों के लिए बढ़ाएंगे। कुछ चलंत अस्पताल बनाए जाएंगे।

चालु वितीय वर्ष में एक हजार नए एम्बुलेंस खरीदे जाएंगे। जिसमें 534 एएलएस एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम एम्बुलेंस खरीदे जाएंगे। जिसमें राज्य के हर प्रखंड एक-एक एम्बुलेंस दिया जाएगा। इस

जिले के भी सभी प्रखंडों में भी एक एक एम्बुलेंस दिया जाएगा। सभी मेडिकल कॉलेजों में आधारभूत संरचना का विकास किया जाएगा। दवाईओं की समुचित सख्लाई की जाएगी।

तीन वर्षों के अंदर राज्य में 30 हजार डाक्टर, जीएनएम, एएनएम, पारामेडिकल स्टॉफ की बहाली राज्य सरकार के द्वारा व एनएचएम के द्वारा किया गया है। 30 सितंबर को ही 2024 डाक्टरों की बहाली की। पिछले 10 अगस्त को एएनएम की बहाली की। और अगले दस दिनों के अंदर राज्य में स्पेशलिस्टडाक्टरों की बहाली करने वाले हैं। तीन दिन पहले साढ़े चार सौ सीनियर रेजिडेन्ट डाक्टरों की बहाली हुई है। आनेवाले छह से नौ महीने में इस राज्य में 20 हजार दो सौ एएनएम की बहाली करने जा रहे हैं। जिसमें एनएचएम के द्वारा 8868 एएनएम की बहाली होनी है उसका विज्ञापन प्रकाशित हो गया है। इस तरह से मानव बल को बढ़ाकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने का काम हम कर रहे हैं।

राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि कोविड के मामले में बिहार आज देश में बहुत ही अच्छी स्थिति में खड़ा है। आज बिहार में एक्टिव केस केवल 43 है। अच्छा काम की बदौलत ही हम राज्य में कोरोना के केस को कम करने में सफल हुए हैं। हमने महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर टीकाकरण अभियान चलाया था। 29 लाख से अधिक टीका दिया गया। आज की तारीख मे हम राज्य में करीब पौने छह करोड़ लोगों को टीका देने के करीब हैं।

किसानों के बीच दुधारू गाय वितरित

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 03 अक्टूबर । राज्य पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग ने पश्चिम जिला के जिलाधिकारी कार्यालय के समन्वय से आज योक्सम ताशीडिंग निर्वाचन क्षेत्र के तहत चोंगरांग और सोंग के लाभार्थियों को एससी भवन,चोंगरांग के परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम बीच 24 दुधारू गायों और बछड़ों को वितरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में परिवहन विभाग के अध्यक्ष बसंत तमांग उपस्थित थे। कार्यक्रम पशुधन, स्वच्छता, सामान्य स्थानीय बीमारियों-उनकी रोकथाम और नियंत्रण, एफएमडी और ब्रुसेलोसिस टीकाकरण कार्यक्रम पर एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। यह जानकारी पशुपालन विभाग, पश्चिम के अतिरिक्त निदेशक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

कार्यक्रम में एडीडीओ (पश्चिम) कमल प्रधान ने स्वच्छ दूध उत्पादन, दूध निकालने की तकनीक और स्वच्छ दूध परिवहन आदि पर जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में सभी को आत्मनिर्भर बनने और श्रम की गरिमा को समझने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से सरकार द्वारा दिए गए लाभों का सही उपयोग करने और बड़ा सोचने और अपने सपनों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक (पश्चिम) डॉ एनएम सिंचुरी ने अपने संबोधन में किसानों को योजना के उन घटकों के बारे में जानकारी दी, जिनसे उन्हें 3 साल का बीमा कवरेज, दावे की प्रक्रिया और डीबीटी के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने किसानों को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही 8 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन योजना से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने सूअर पालन प्रोत्साहन योजना पर भी प्रकाश डाला, जिसे इस महीने आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के दरवाजे पर सेवा तक पहुंचने के लिए एडीडीओ (पश्चिम) चोंगरांग ब्लॉक के प्रत्येक लाभार्थी के घर का दौरा करेंगे। इस दौरान वे दूध उत्पादन के मामले में उनकी प्रगति दर्ज करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। योक्सम के एसडीएम ने अपने संबोधन में किसानों को दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जिससे उनकी आर्थिक स्थिति का उत्थान हो।

लखीमपुर-खीरी में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में 6 की मौत

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में रविवार को हुई हिंसा में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

कृषि कानूनों के विरोध ने तब हिंसक रूप ले लिया, जब अज्ञात व्यक्तियों ने किसानों पर गोलियां चलाईं।

कुछ प्रदर्शनकारियों के वाहनों की चपेट में आने से आक्रोशित किसानों ने तीन जीपों में आग लगा दी। इनमें से एक वाहन केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा का बताया जा रहा है।

किसानों ने मृतकों का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे अपने नेताओं से बात करने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय करेंगे। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में अपने कार्यक्रम में कटौती की है और राज्य की राजधानी लौट रहे हैं।

एडीजी-कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार को स्थिति का जायजा लेने के लिए लखीमपुर खीरी भेजा गया है।

किसी भी तरह की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए इलाके में अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। क्षेत्र में तनाव अभी भी बना हुआ है, जबकि विपक्षी नेता लखीमपुर खीरी के लिए रवाना हो रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत वहां जा रहे हैं और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार सुबह वहां पहुंचेंगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है, जिन्होंने कथित तौर पर अपनी कार से किसानों को टक्कर मारी थी। अखिलेश ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है। पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को लखीमपुर खीरी का दौरा करेगा।

इस बीच मिश्रा ने कहा कि उनके बेटे पर किसानों के समूह में आए बदमाशों ने हमला कर दिया।

इससे पहले दिन में, हजारों किसानों ने रविवार को तिकुनिया तक मार्च निकाला और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वे पलिया, भीरा, बिजुआ, खजुरिया और संपूर्ण नगर जैसे आसपास के गांवों से हाथों में काले झंडे लेकर आए थे। केंद्रीय मंत्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गांव बनवीर पहुंचने वाले थे। हालांकि, किसानों ने महाराजा अग्रसेन स्पोर्ट्स ग्राउंड में हेलीपैड साइट पर कब्जा कर लिया, जहां उनका हेलीकॉप्टर उतरना था। इसके बाद उनका कार्यक्रम बदला गया और वे लखनऊ से सड़क मार्ग से लखीमपुर पहुंचे। तिकुनिया में गुस्साए किसानों ने उनके स्वागत में लगे होर्डिंग्स को उखाड़ कर विरोध किया।

पाक ड्रोन से गिराए गए हथियार जम्मू में किए गए बरामद

जम्मू, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पुलिस ने हथियारों की एक खेप बरामद की है और ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान के एक ड्रोन से हथियारों की यह खेप गिरायी गयी।

अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ड्रोन से गिराए गए पैकेट में एक एके असॉल्ट राइफल, तीन मैगजीन, 30 गोलियां और एक टेलीस्कोप मिला है।

उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब पहालेन मंडल के सौजन गांव से यह खेप बरामद की गयी। एक गांव वाले ने पुलिस को किसी तरह की आवाज आने और संदिग्ध रूप से पाकिस्तानी ड्रोन से सामान गिरने की सूचना दी थी।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने तुरंत गांव की घेराबंदी कर दी और तलाश अभियान चलाया। तलाश अभियान के दौरान उसे तार से बंधा एक पीले रंग का पैकेट मिला जिसमें हथियार और गोला बारुद बरामद किए गए। इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और उन लोगों का पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं जिन्हें यह खेप लेने आना था।

पिछले एक साल में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन गतिविधियों में वृद्धि हुई है जो सीमा की रक्षा कर रहे सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गयी है। सुरक्षाबलों ने पिछले एक साल में अलग-अलग स्थानों पर दो ड्रोन मार गिराए और राइफल, विस्फोटक, बम और मादक पदार्थ समेत हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद किया है। इस साल जून में जम्मू में भारतीय वायु सेना के स्टेशन पर ड्रोन द्वारा दो बम गिराए जाने के बाद सीमा पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गयी है।

यूपी की 64 हजार हेक्टेयर जमीन माफिया से मुक्त कराई : सीएम योगी

डुमरियागंज, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व की सरकारें भू माफिया को प्रश्रय देकर जमीनों पर कब्जा कराती थीं। जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, एंटी भू माफिया सेल बनाकर ऐसे लोगों से अब तक 64 हजार हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराया जा चुका है। इतना ही नहीं गरीबों, सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनी हवेलियों पर भी बुलडोजर चलवाने में संकोच नहीं किया। मुख्यमंत्री रविवार को सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में 524.07 करोड़ की परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी जमीनें हों या गरीबों की, भूमाफिया कब्जा कर लेते थे। उनकी सरकार बनी तो ऐसी जमीनों को कब्जा मुक्त करने का अभियान चलाया गया। इसका नतीजा यह रहा कि जमीनें मुक्त तो हुई हीं भूमाफिया लापता हो गए। साढ़े चार साल में उनकी सरकार ने गरीबों, किसानों, नौजवानों के कल्याण के साथ विकास को तरजीह दी है। यूपी अब विकास की अंगड़ाई ले रहा है। इस कार्यकाल में अब तक न किसी की भूख से मौत हुई है और न ही किसी किसान ने आत्महत्या की है। सरकारों का काम सबका साथ, सबका विकास करना होता है। यह काम उनकी सरकार कर रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले खूब दंगे होते थे। हर तीसरे-चौथे दिन कहीं न कहीं दंगा हो जाता था। जब से भाजपा की सरकार बनी है, एक भी दंगा नहीं हुआ। दंगाइयों को पहले ही संदेश दिया जा चुका है कि दंगा हुआ तो आने वाली सात पीढ़िया भी भरपाई नहीं कर पाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी सरकार होती है तो वह जनता की सुरक्षा और समग्र विकास का भरोसा देती है। हमने किसी का चेहरा और जाति-धर्म नहीं देखा। प्रदेश की 34 करोड़ जनता के विकास के लिए काम किया है। सबका साथ, सबका विकास ही उनका मूल मंत्र है। पूर्व की सरकारें जाति व धर्म देख कर लाभ पहुंचाती थीं। गरीबों में राशन वितरण हो या फिर अन्य योजनाएं, पहले की सरकार में डकार ली जाती थीं। उनकी सरकार में राशन गरीबों को मिला, योजनाएं भी उन तक पहुंची। सीएम ने भीड़ में लोगों से पूछा भी कि उन्हें नि:शुल्क राशन मिला या नहीं।

सबने हाथ उठा कर हामी भरी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं का विकास उन्हें बेहतर सुविधा मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता में शामिल रहा है। स्नातक तक की शिक्षा मुफ्त दी जा रही है। बालिका सुकन्या योजना चलाई जा रही है। बच्ची पैदा होने पर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा और समृद्धि के लिए वह कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर तक अनुसूचित जाति, जानजाति, पिछड़े, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को छात्रवृत्ति देने का आदेश हो चुका है।

सीएम ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है। पहले हम लोग कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। उस संकल्प को पूरा किया और भक्तों पर गोलियां चलाने वालों को जवाब देते हुए भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू करा दिया।

मुख्यमंत्री ने जनसभा में घोषणा की डुमरियागंज के अमर शहीदों की याद में भव्य स्मारक बनाया जाएगा, जिससे आजादी के दीवानों से वर्तमान पीढ़ी रूबरू हो सके। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने डुमरियागंज के 80 वीर सपूतों को 26 नवंबर 1858 को शहीद कर दिया था। वे लोग अब तक गुमनामी के अंधेरे में थे। सरकार आजादी का अमृत महोत्सव चला रही है, जिससे देश की जनता देश के अमर शहीदों को जान सके कि आजादी ऐसे ही नहीं मिली थी।

बंगाल उपचुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं : सुकांत मजूमदार

कोलकाता, 03 अक्टूबर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल भाजपा ने रविवार को कहा कि राज्य में तीन विधानसभा उपचुनावों के नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं हैं और वे परिणाम को शालीनता से स्वीकार कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बंगाल इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा, 'हमें यह समझने की जरूरत है कि बड़ी संख्या में लोग वोट देने नहीं आ सके या उन्हें वोट देने नहीं आने दिया गया। लेकिन एक बात हमें करनी चाहिए, ध्यान रहे कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोचा था कि वह भवानीपुर से बीजेपी का सफाया कर देंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।'

उन्होंने कहा, 'हम उन लोगों के समर्थन से अभिभूत हैं, जिन्होंने सभी बाधाओं के बावजूद बाहर आकर हमें वोट दिया है। यह हमें भविष्य में एक नई भावना के साथ लड़ने के लिए प्रेरित करेगा। अक्टूबर में चार उपचुनाव हैं और हमें उम्मीद है कि हम इन चुनावों में बेहतर करेंगे।'

पश्चिम बंगाल भाजपा ने एक बयान में कहा, 'पश्चिम बंगाल में तीन विधानसभा उपचुनावों के नतीजे हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं लेकिन हम इसे शालीनता से स्वीकार करते हैं।'

बयान में कहा गया है, 'नंदीग्राम में ध्वस्त होने के बाद, ममता बनर्जी भले ही भवानीपुर में बच गई हों, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक हारने वाले उम्मीदवार ने सभी लोकतांत्रिक मानदंडों और मालिकाना हक का उल्लंघन करते हुए खुद को मुख्यमंत्री के रूप में चुना।'

भाजपा ने आरोप लगाया कि चुनाव एक दबंग राज्य प्रशासन के तहत हुए, जिसमें मतदाताओं पर भय, धमकी और चुनाव के बाद की हिंसा का अंधेरा छाया हुआ था।

राज्य इकाई की भावना को प्रतिध्वनित करते हुए, वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि ममता बनर्जी की जीत के अंतर ने उन्हें थोड़ा आश्चर्यचकित किया है।

पार्टी के एक नेता ने कहा, 'उपचुनाव लड़ते हुए हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की और सभी ने भवानीपुर में मुख्यमंत्री की हार सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। वास्तव में, हमें यकीन है कि उनकी जीत का अंतर कम होगा। लेकिन भारी जीत का अंतर भी आश्चर्यचकित करने वाला है।'

एक अन्य नेता ने कहा कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों और 2026 में अगले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य में अपनी उपस्थिति का और विस्तार करने के लिए भविष्य की योजना बनाएगी। एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में पार्टी को मजबूत और विस्तारित करने के लिए एक दीर्घकालिक योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए लड़ना जारी रखेंगे और अगले चुनावों में ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।'

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com